

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:266। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 18 मई 2026 ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

शाह ने किया दो प्रोजेक्ट का लोकार्पण

●बोले-गुजरात को टेक्नोलॉजी और सर्विस सेक्टर में अग्रणी बनाने का लक्ष्य

गुजरातियों के डीएनए में विकास है : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' तथा 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' का लोकार्पण किया। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जिस प्रकार गुजरात ने आजादी के समय से देश का नेतृत्व किया है, उसी प्रकार टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी गुजरात देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि गुजरातियों के डीएनए में विकास है। ये दोनों प्रोजेक्ट गुजरात को मैन्युफैक्चरिंग हब से आगे बढ़ाकर वैश्विक सेवा और टेक्नोलॉजी क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के विजन को नई दिशा देंगे। उन्होंने गुजरात को सर्विस सेक्टर में टॉप थ्री में लाने की मंशा व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात ने



आर्थिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया है। 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' के माध्यम से राज्य में हजारों युवाओं के लिए उच्च कौशल आधारित रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस टेक पार्क में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर सहित अत्याधुनिक क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और टेक्नोलॉजी विकास को प्रोत्साहन दिया जाएगा। राज्य में वैश्विक स्तर की टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम विकसित करने में यह प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण साबित होगा।

अमित शाह ने कहा कि 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' रियल एस्टेट क्षेत्र में व्यावसायिकता और आधुनिकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। संस्थान में आधुनिक अर्बन प्लानिंग, टेक्नोलॉजी-आधारित पाठ्यक्रम तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से कुशल मानव संसाधन तैयार किए जाएंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात आज टेक्नोलॉजी, उद्योग और आधुनिक बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में देश को नई दिशा दे रहा है। ऐसी विशिष्ट संस्थाएं और टेक्नोलॉजी आधारित प्रोजेक्ट्स राज्य को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक मजबूत स्थान दिलाने में सहायक बनेंगे। गृह मंत्री शाह ने कहा कि वैष्णोदेवी सर्कल के निकट अहमदाबाद-गिफ्ट सिटी-गांधीनगर हाई ग्रोथ कॉरिडोर में लगभग 65 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही इस टेक सिटी में ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस, आवासीय सुविधाएं।

अमेरिकी नाकेबंदी के बीच 20 हजार टन गैस लेकर भारत पहुंचा जहाज

एजेंसी

कांडला। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच भारत के लिए रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर अच्छी खबर आई है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला



एलपीजी मालवाहक जहाज 'सिमी' रविवार सुबह गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह पर सफलतापूर्वक पहुंच गया। यह जहाज 13 मई को 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के खतरनाक रास्ते से होकर गुजरा था। पश्चिम एशिया में पिछले 75 दिनों से जारी युद्ध की वजह से यह समुद्री मार्ग फिलहाल बेहद असुरक्षित बना हुआ है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) ने कतर के रास लफ्फान टर्मिनल से लगभग 20,000 टन रसोई गैस खरीदी थी, जिसे लेकर यह जहाज भारत आया है। जहाज पर सवार सभी 21 विदेशी चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। ओमान की खाड़ी में ईरानी नौसेना के कड़े पहरे और अमेरिकी नाकेबंदी के बीच इस जहाज को सुरक्षित निकालना एक बड़ी चुनौती थी।

दुश्मन के रडार को ऐसे दिया चकमा

दुश्मन के रडार और निगरानी तंत्र को चकमा देने के लिए जहाज ने बुधवार को युद्ध क्षेत्र से गुजरते समय अपने 'ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम' (AIS) को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इस तकनीक की मदद से जहाज रडार की नजरों में आए बिना ईरान के लारक द्वीप के पूर्व में सुरक्षित पहुंचने में कामयाब रहा।

पोक्सो मामले में बंदी साई भगीरथ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

चेरलापल्ली जेल भेजा गया

एजेंसी

हैदराबाद। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) मामले में आरोपित बंदी साई भगीरथ को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने के बाद उन्हें चेरलापल्ली सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया। इससे पहले आरोपी ने पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे अदालत में पेश किया।



साइबराबाद पुलिस के अनुसार, बंदी साई भगीरथ को तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी (टीएसपीए) जंक्शन के पास से हिरासत में लिया गया और कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच वाहन काफिले के जरिए पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन लाया गया। मामले की निगरानी कर रहीं कुकटपल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रीतिराज भी इस दौरान पुलिस स्टेशन पहुंचीं और जांच की प्रगति की समीक्षा की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ और अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपित को मेडिकल जांच के लिए मेडचल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद उसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां अदालत ने आरोपी को 29 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

जैन संतों को बदनाम कर वसूली करने वाला 'ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट' बेनकाब!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

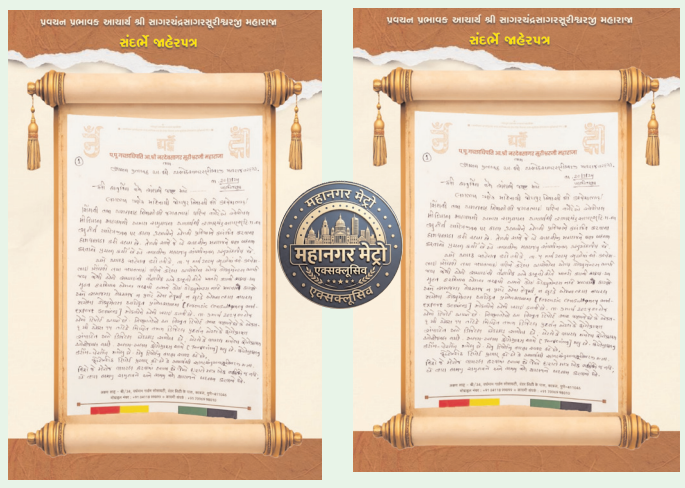
सूरत. धर्म, आस्था और पूजनीय संतों की आड़ में ब्लैकमेलिंग और वसूली का धंधा चलाने वाले एक शातिर गैंग का पर्दाफाश हुआ है। सूरत के पॉश इलाके वेसू के एक जिनालय के आचार्य श्री सागरचंद्रसागरसूरीश्वर जी महाराज साहब के खिलाफ सोशल मीडिया पर जो कथित तस्वीरें वायरल की गई थीं, वे पूरी तरह से फर्जी, मॉर्फ्ड और एडिटेड थीं। इस घिनौनी साजिश के पीछे अहमदाबाद के जगत पारेख, विक्रम बाफना, कल्पेश सिंघवी और हार्दिक हुडिया का नाम सामने आया है, गच्छाधिपति के सामने भाग खड़े हुए साजिशकर्ता मामले की गंभीरता को देखते हुए जब गच्छाधिपति श्री नरदेवसागर सूरीश्वर जी महाराज साहब ने कड़ा रुख अपनाया और इन सभी आरोपियों को तलब किया, तो इनके पैर उखड़ गए। गच्छाधिपति ने इन्हें बार-बार आदेश दिया कि यदि तस्वीरें सच्ची हैं, तो उनके 'ओरिजिनल सोर्स और प्रमाण' लेकर सामने आएं। लेकिन हफ्तों बीत जाने और कई बार बुलाए जाने के बाद भी इनमें से एक भी आरोपी महाराज साहब के सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

फॉरेंसिक रिपोर्ट ने खोली पोल, गच्छाधिपति ने दी क्लीनचिट

जब आरोपी सबूत देने में नाकाम रहे, तो गच्छाधिपति श्री नरदेवसागर सूरीश्वर महाराज ने इन कथित तस्वीरों की उच्च स्तरीय फॉरेंसिक जांच करवाई। जांच रिपोर्ट आते ही झूठ का वह महल ढह गया जो इन ब्लैकमेलर्स ने खड़ा किया था। फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने साफ किया कि तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई थी।

'महानगर मेट्रो' को मोहरा बनाने की थी कोशिश; ऐसे हुआ भंडाफोड़

इस साजिश का सबसे खतरनाक पहलू यह था कि ये आरोपी खुद को पाक-साफ दिखाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल करना चाहते थे। मास्टरमाइंड हार्दिक हुडिया लगातार 'महानगर मेट्रो' के दफ्तर में भ्रामक प्रेसनोट्स और खबरें छपवाने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन, खोजी पत्रकारिता के सिद्धांतों पर चलने वाले 'महानगर मेट्रो' को इस पूरे मामले



में गहरी साजिश की बू आई। हमारी टीम ने जब अपने स्तर पर इस मामले की ग्राउंड इन्वेस्टिगेशन और तकनीकी पड़ताल की, तो सच्चाई कुछ और ही निकली। सामने आया कि जगत पारेख (जिस पर पहले से ही कई पुलिस केस दर्ज हैं) और उसका साथी हार्दिक हुडिया मिलकर जैन समाज में भय का माहौल बना रहे थे ताकि मुनियों को ब्लैकमेल किया जा सके। अब जब इस ब्लैकमेलिंग गैंग का काला चिट्ठा पूरी तरह जनता और कानून के सामने आ चुका है, तो अपनी साख बचाने के लिए ये लोग 'महानगर मेट्रो' की ही पुरानी खबरों और कतरनों को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़ कर वायरल कर रहे हैं। मामला भले ही पुराना हो, लेकिन इस गैंग की गिद्ध दृष्टि आज भी जैन समाज की एकता और शांति पर टिकी हुई है।

महानगर मेट्रो का स्टैंड: अपराधियों को बेनकाब करना हमारा धर्म 'महानगर मेट्रो' अपने पाठकों और पूरे जैन समाज को आश्वस्त करता है कि पीत पत्रकारिता और ब्लैकमेलिंग के इस गठजोड़ को हम कभी कामयाब नहीं होने देंगे। संतों की अस्मिता से खिलवाड़ करने वाले ये अपराधी समाज और कानून दोनों के गुनहगार हैं। ऐसे तत्वों से सतर्क रहें और इनके द्वारा फैलाई जा रही किसी भी फेक न्यूज पर विश्वास न करें।

●ऑन-स्क्रीन मार्किंग के बीच सीबीएसई का बड़ा फैसला

बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन शुल्क घटाकर 100 रुपये किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर चल रही बहस के बीच सीबीएसई ने एक अहम निर्णय लिया है। बोर्ड ने छात्रों के हित में कदम उठाते हुए पुनर्मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिका सत्यापन की फीस में भारी कमी की है, जिससे अब यह प्रक्रिया पहले से अधिक आसान और किफायती हो गई है।

अब कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

सचिव संजय कुमार ने बताया कि अब किसी छात्र से उत्तर पुस्तिका देखने के लिए 100 रुपये शुल्क लिया जाएगा, उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन के लिए 100 रुपये और किसी विशेष प्रश्न के उत्तर की पुनः जांच के लिए 25 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जांच प्रक्रिया में छात्र के अंक बढ़ते हैं या संशोधित होते हैं, तो



उससे लिया गया पूरा शुल्क वापस कर दिया जाएगा। सचिव संजय कुमार ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई के लिए सभी छात्रों का हित सबसे ऊपर है। उन्होंने बताया कि किसी भी छात्र को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि उसके वास्तविक प्रदर्शन के अनुसार उसे कम अंक मिले हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था पहले से ही सीबीएसई में मौजूद है और अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी अंकों की गणना पूरी तरह सही और सटीक हो।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका देखना या उसका सत्यापन कराना चाहता है, तो इसके लिए अब पहले से कम शुल्क लिया जाएगा, ताकि यह प्रक्रिया छात्रों के लिए आसान और पारदर्शी बन सके।

पहले कितना आवेदन शुल्क?

इस प्रक्रिया के पहले चरण में प्रति विषय उत्तर पुस्तिका की स्कैन की गई कॉपी प्राप्त करने के लिए 700 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया था। इसके बाद दूसरे चरण में त्रुटि सत्यापन के लिए 500 रुपये प्रति उत्तर पुस्तिका और पुनर्मूल्यांकन के लिए 100 रुपये प्रति प्रश्न शुल्क निर्धारित किया गया था।

पांच राज्यों में मकानों की गणना का फील्ड कार्य शुरू

●1.44 करोड़ से अधिक परिवारों ने की स्व-गणना

एजेंसी

नई दिल्ली। देशव्यापी जनगणना 2027 की दिशा के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) का फील्ड कार्य पांच प्रमुख राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू हो गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार इसमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) क्षेत्र, राजस्थान, मेघालय, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। दूसरी ओर, डिजिटल जनगणना के तहत शुरू की गई स्व-गणना सुविधा को जनता की बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही हैं और अब तक 25 राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में 1.44 करोड़ से अधिक परिवार अपनी स्व-गणना पूरी कर चुके हैं। आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव मे घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण किया जा रहा है। आज से गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पुडुचेरी में भी स्व-गणना की सुविधा शुरू हो गई है। इन क्षेत्रों के निवासी 31 मई 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके बाद, यहां 1 जून से 30 जून 2026 तक फील्ड कार्य चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में भी स्व-गणना की प्रक्रिया चालू है जो 21 मई तक चलेगी, जिसके तुरंत बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक जमीनी स्तर पर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इस प्रक्रिया के दौरान एक अधिसूचित प्रश्नावली के माध्यम से कुल 33 प्रश्न पूछे जा रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से परिवार की आवासीय स्थिति, परिवार का विवरण।

Ministry of Home Affairs
Government of India
सत्यमेव जयते

- जनगणना अधिनियम, 1948 के कड़े प्रावधानों के तहत नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रखी जाएगी। इसका उपयोग किसी अन्य काम के लिए नहीं बल्कि केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों और राष्ट्रीय विकास योजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा। सरकार ने सभी देशवासियों से इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग देने की अपील की है।
- जिन परिवारों ने किसी कारणवश स्व-गणना नहीं की है उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं है। गणनाकर्ता स्वयं घर-घर जाकर उनका विवरण दर्ज करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने विभिन्न प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

उपराष्ट्रपति ने पुराने लोक भवन के परिसर में रोडोडेंड्रोन (लालीगुरांस) का पौधा लगाया।

एजेंसी

गंगटोक। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम की अपनी एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी कर लौट गए। उपराष्ट्रपति राज्य के



51वें राज्य दिवस समारोह में भाग लेने के लिए सिक्किम पहुंचे। सुबह लोक भवन से रवाना होने से पहले उपराष्ट्रपति ने पुराने लोक भवन के परिसर में रोडोडेंड्रोन (लालीगुरांस) का पौधा लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग भी उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति खराब मौसम के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 10ए के रास्ते बागडोगरा हवाईअड्डा (पश्चिम बंगाल) के लिए रवाना हो गए हैं। सिक्किम की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा थी। उपराष्ट्रपति ने शनिवार को राजधानी के मनन केंद्र में आयोजित 51वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न प्रमुख विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी और राज्य में संपर्क, शिक्षा, पर्यटन और सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सुबह उपराष्ट्रपति के प्रस्थान से पहले राज्यपाल और मुख्यमंत्री समेत विधानसभा अध्यक्ष, मंत्रिपरिषद के सदस्य, लोकसभा सांसद इंद्र हांग सुब्बा, मुख्य सचिव आर. तेलांग और लोक भवन में राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा पत्र लीक मामले को लेकर सियासी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनका इस्तीफा मांगा है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2024 और 2026 दोनों में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार जांच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई थी। वर्ष 2026 में भी परीक्षा पत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, फिर से सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति गठित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार चुप क्यों है और लगातार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है।



दालमंडी चौड़ीकरण के लिए छह मस्जिदों को शिफ्ट करने के निर्देश

●निर्माण के लिए जमीन व धन मुहैया कराएगा प्रशासन

एजेंसी

वाराणसी। दालमंडी चौड़ीकरण अभियान को लेकर लोक निर्माण विभाग ने दालमंडी की छह मस्जिदों को कही और शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं, ऐसा नहीं होने पर कार्रवाई होगी। शिफ्ट करने के लिए इन मस्जिदों को जमीन और निर्माण का धन मुहैया कराने की बात कही है। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता केके सिंह ने रविवार को कहा कि दालमंडी के चौड़ीकरण कार्य में 75 मकानों और छह मस्जिदों को हटाया जाना है। उन्होंने बताया कि दालमंडी की छह मस्जिदों को कही शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं, ऐसा नहीं होने पर कार्रवाई होगी। मस्जिद समितियों को नोटिस दी जा चुकी है। अधिशासी



अभियंता सिंह ने बताया कि इन छह मस्जिदों के लिए अगर समितियां चाहेगी तो प्रशासन उन्हें जमीन और नई जगह निर्माण का धन मुहैया कराएगा। उन्होंने बताया कि दालमंडी चौड़ीकरण के लिए लंगड़े हाफिज मस्जिद, संगमरमर वाली मस्जिद, अली रजा खान मस्जिद, निसारन मस्जिद, शाह मस्जिद और करीमुल्लाह बेग मस्जिद को चिन्हित किया गया है। लोक निर्माण विभाग नियम के अनुसार इनकी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर सकता है। जिसके बाद चौड़ीकरण का कार्य समाप्त होगा। कार्य समाप्त होने पर तीन महीने नवीन कार्य निर्माण में लगेंगे। बताया गया है कि इन मस्जिदों को शिफ्ट करने के लिए मस्जिद समितियों ने कुछ समय मांगा है तो कुछ वही मस्जिद वहीं रहने के लिए अड़े हुए हैं।

फतेहपुर रिंद नदी हादसा: नहाते समय गहरे पानी में डूबे आठ युवक, चार की दर्दनाक मौत

●मछुआरों ने चार को बचाया

फतेहपुर (एजेंसी)। फतेहपुर जिले में रविवार को रिंद नदी में नहाते समय आठ युवक गहराई में जाने से डूब गए। मछुआरों की मदद से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। वहीं, चार युवकों की मौत हो गई। लालौली थाना क्षेत्र के तपनी निवासी हसीबुद्दीन, शाहिद, अंश और शान की डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही लालौली थाना पुलिस मौके पर



पहुंची। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

तपनी गांव से कुल नौ युवक कुंनुहा डेरा के पास स्थित रिंद नदी में नहाने गए थे। चार को सीएचसी बिंदकी में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार जारी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अहमदाबादः एयरपोर्ट पर कस्टम्स की बड़ी कार्रवाई, बड़ी मात्रा में विदेशी सिगरेट के साथ दो लोग पकड़े गए



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम्स डिपार्टमेंट ने बड़ी मात्रा में गैर-कानूनी तरीके से लाई गई विदेशी सिगरेट का पता लगाया है। एयरपोर्ट पर कड़ी चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध यात्रियों से 16,600 विदेशी सिगरेट जब्त की गई हैं। कस्टम्स डिपार्टमेंट ने बैन सामान जब्त कर लिया है और दोनों यात्रियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध सामान जब्त

मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद एयरपोर्ट के इंटरनेशनल टर्मिनल पर कस्टम्स अधिकारी रेगुलर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान दो यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं और उन्हें रोका गया। उनके सामान की स्कैनिंग और चेकिंग के दौरान अंदर छिपाकर रखे गए विदेशी सिगरेट के पैकेट मिले। कस्टम्स डिपार्टमेंट ने बताया है कि कुल 16,600 सिगरेट थीं, जिनकी मार्केट वैल्यू लाखों रुपये में होने का अनुमान है।

गिरफ्तार किए गए यात्री केरल के रहने वाले हैं

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान कस्टम्स की शुरुआती पूछताछ और डॉक्यूमेंट्स की जांच के दौरान पता चली है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोग असल में केरल के मलप्पुरम और कोझिकोड इलाके के रहने वाले हैं। शक है कि भारत में विदेशी सिगरेट पर लगने वाली भारी कस्टम ड्यूटी (टैक्स) से बचकर मुनाफ़ा कमाने के लिए इस क्वांटिटी की गैर-कानूनी तरीके से स्मगलिंग की जा रही थी।

फिलहाल, सिगरेट की यह क्वांटिटी ज़ब्त कर ली गई है और यह पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है कि ये दोनों यात्री इतनी बड़ी क्वांटिटी में सिगरेट कहाँ से लाए थे और किसे सप्लाई करने वाले थे।

प्राइवेट बस में राजकोट ले जाई जा रही 100 kg चांदी, गीता मंदिर के पास SGST की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। मिली जानकारी के मुताबिक, स्टेट तस्क्ष टीम को खास जानकारी मिली थी कि अहमदाबाद से राजकोट जा रही एक प्राइवेट लग्जरी बस में चांदी की गैर-कानूनी हेराफेरी हो रही है। इस जानकारी के आधार पर, गीता मंदिर इलाके में निगरानी रखी गई और एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। उसके पास मौजूद बैग में 100 द्यद्द चांदी मिली।

80 प्रतिशत मात्रा का कोई बिल नहीं!

तस्क्ष डिपार्टमेंट की शुरुआती जांच में चांदी की इस मात्रा के बारे में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। जब्त की गई कुल चांदी की 80 प्रतिशत मात्रा का कोई पक्का बिल, अकाउंट या कानूनी दस्तावेज नहीं मिले। इतनी बड़ी मात्रा में चांदी जब्त होने के बावजूद, अभी तक किसी भी व्यापारी ने आधिकारिक तौर पर माल पर मालिकाना हक का दावा नहीं किया है। स्टेट तस्क्ष ने हाल ही में गीता मंदिर से जब्त 100 द्यद्द चांदी की जांच शुरू की है।

ओधव में एक मशहूर ब्रांड के डुप्लीकेट पान मसाला की फैक्ट्री पकड़ी गई,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सिटी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने ओधव इलाके में छापा मारकर एक मशहूर ब्रांड के पान मसाला की डुप्लीकेट बनाने वाली एक गैर-कानूनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ब्रांडेड प्रोडक्ट के नाम पर नकली पान मसाला बनाकर उसे मार्केट में बेचने के इस स्कैम में एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मौके से पैकिंग मशीनरी और रॉ मटेरियल समेत कुल 3,34,000 रुपये का माल जब्त किया गया है।

कॉपीराइट उल्लंघन की शिकायत के आधार पर छापा

इस पूरे मामले में, ऑथराइज्ड कंपनी के मालिक हिरेन पटेल (उम्र 44) ने डुप्लीकेट मैन्युफैक्चरिंग और कॉपीराइट उल्लंघन की जांच के लिए SOG में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें सूचना मिली थी कि ओधव इलाके में एक व्यक्ति एक मशहूर ब्रांड का नकली पान मसाला पैक करके मार्केट में सप्लाई कर रहा है। इस खास सूचना के आधार पर, SOG टीम ने निगरानी रखी और छापा मारा। ओधव एस्टेट में चल रहा था नेटवर्क पुलिस ने ओधव के सेंट्रल वर्कशॉप रोड पर, भरवाड़वास के बगल में,

सूरत, वडोदरा और राजस्थान से कनेक्शन

पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह इन डुप्लीकेट पैकेट को पैक करके सूरत, वडोदरा और राजस्थान में सप्लाई करता था। पुलिस ने मौके से एक इलेक्ट्रिक पैकिंग मशीन, तैयार पैकेट, प्रिंटेड पेपर रोल, खाली पाउच, 10 द्यद्द सुपारी का कच्चा माल और दो मोबाइल फोन के साथ कुल 3,34,000 रुपये जब्त किए हैं और केस दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

भीनमाल में 20 मई को पूर्ण मेडिकल बंदः ई-फार्मेसी और नकली दवाओं के खिलाफ केमिस्टों का हल्लाबोल, अस्पताल के स्टोर्स भी रहेंगे बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल । ऑनलाइन दवा कारोबार (ई-फार्मेसी), नकली दवाओं की अवैध बिक्री और बिना लाइसेंस के चल रहे कारोबार के विरोध में आगामी 20 मई को भीनमाल के सभी मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रहेंगे। ऑल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर स्थानीय केमिस्ट एसोसिएशन ने रविवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह बड़ा फैसला लिया है। इस बंद के दौरान अस्पताल परिसरों और नर्सिंग होम के अंदर संचालित होने वाले मेडिकल स्टोर भी बंद रखे जाएंगे।

रविवार को बैठक में लिया गया सर्वसम्मत निर्णय

केमिस्ट एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी कृष्ण मोदी ने बताया कि रविवार को जिला अध्यक्ष भंवरलाल मांजू, स्थानीय अध्यक्ष रमेश दवे और सचिव मूलसिंह राव की



मौजूदगी में केमिस्टों की एक आपात बैठक आयोजित हुई। बैठक में ऑनलाइन फार्मेसी से पारंपरिक दवा व्यापारियों को हो रहे नुकसान और बाजार में नकली दवाओं की आमद पर गहरी चिंता जताई गई। इसके बाद सभी पदाधिकारियों और उपस्थित केमिस्टों ने एकजुट होकर 20 मई को एक दिवसीय हड़ताल का सर्वसम्मति से समर्थन किया।

अस्पताल के मरीजों को राहत, बाहरी पर्चियों पर नो-एंट्री

हड़ताल के दौरान आम जनता और मरीजों की परेशानी को देखते हुए एसोसिएशन ने मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाया है। बैठक में तय किया गया कि बंद के दौरान जो मरीज अस्पतालों या नर्सिंग होम में गंभीर हालत में भर्ती हैं, उन्हें आपातकालीन स्थिति में जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। हालांकि, अस्पताल के बाहर से आने वाले मरीजों या किसी भी बाहरी पर्ची पर दवा का वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

सैकड़ों केमिस्टों ने जताई एकजुटता

इस बैठक में क्षेत्र के दवा कारोबारियों ने भारी संख्या में भाग लेकर अपनी एकजुटता दिखाई। बैठक के दौरान गुमान सिंह राव, मुकेश बाफना, परखाराम चौधरी, गेमाराम चौधरी, संजीव माथुर, सुभाष शर्मा, अभिषेक व्यास, हीरालाल घांची, मदेश चौधरी, नरपत देवासी, देव देवासी, उत्तम और हिम्मत सिंह सहित सैकड़ों केमिस्ट और दवा व्यवसायी मौजूद रहे।

व्यापारियों का कहना है कि ई-फार्मेसी न सिर्फ उनके रोजगार को खत्म कर रही है, बल्कि इससे नकली दवाओं के नेटवर्क को भी बढ़ावा मिल रहा है, जिसके खिलाफ यह आर-पार की लड़ाई है।

अमित शाह ने किया 128 करोड़ के 'मधुर डेयरी' प्लांट का उद्घाटन, कहा- 'सहकारिता से बदल रही है पशुपालक बहनों की जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। इस भव्य समारोह में गुजरात के तमाम बड़े नेता, सहकारिता क्षेत्र के दिग्गज, अमूल फेडरेशन के अधिकारी और हजारों की संख्या में पशुपालक (विशेषकर महिलाएं) उपस्थित थे। गृह मंत्री का यह दौरा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि केंद्र सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहकारिता को लेकर कितनी गंभीर है।

मधुर डेयरी के नए प्लांट की प्रमुख विशेषताएं

इस नए प्लांट को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह सिर्फ एक दूध एकत्रीकरण केंद्र नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण इंडस्ट्रियल प्रोसेसिंग यूनिट है। विशाल क्षमताः इस नए प्लांट की कुल दूध प्रोसेसिंग क्षमता 5 लाख लीटर प्रतिदिन है। वर्तमान



संचालनःफिलहाल उद्घाटन के साथ ही 2.5 लाख लीटर प्रतिदिन दूध प्रोसेसिंग की सुविधा चालू कर दी गई है, जिसे भविष्य में पूरी क्षमता (5 लाख लीटर) तक बढ़ाया जाएगा। भारी निवेशः इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए 128 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा नकद प्रवाह सुनिश्चित करेगा। अत्याधुनिक तकनीकः यह प्लांट पूरी तरह से ऑटोमैटिक (स्वचालित) मिल्क प्रोसेसिंग और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी से लैस है। दूध के पाश्चुरीकरण से लेकर उसकी पैकिंग और लोडिंग तक का काम बिना इंसानी हाथों के स्पर्श के होगा, जिससे शुद्धता और स्वच्छता के उच्चतम स्तर को बनाए रखा जा सकेगा। गुणवत्ता नियंत्रणःअत्याधुनिक लैब्स के जरिए दूध की गुणवत्ता, फैट और एसएनएफ की सटीक और रियल-टाइम जांच की व्यवस्था की गई है। अपने ऊर्जावान और प्रेरणादायक संबोधन में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत के डेयरी सेक्टर में महिलाओं के योगदान को नमन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सहकारिता सिर्फ एक व्यापारिक मॉडल नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक क्रांति है जिसने ग्रामीण भारत, खासकर पशुपालन करने वाली बहनों की जिंदगी में अभूतपूर्व और सकारात्मक बदलाव लाया है।अमूल की शानदार सफलता का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कुछ ऐसे आंकड़े पेश किए, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए गर्व का विषय हो सकते हैं:

बैंकॉक से ट्रॉली बैग में आ रहा था 'मौत का सामान', अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 6.5 किलो गांजे के साथ रायपुर का युवक गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक और ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। शनिवार (16 मई) रात बैंकॉक से आए एक यात्री से 6.540 द्यद्द गांजा ज़ब्त किया गया। आरोपी यात्री पर इंटरनेशनल फ़्लाइट से कीमती नशीले पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

गांजा 'वैक्यूम पैकिंग' करके एक ट्रॉली बैग में छिपाया गया था

मिली जानकारी के मुताबिक, एयर इंटेलिजेंस यूनिट टीम को खास जानकारी मिली थी कि बैंकॉक से आ रही एक फ़्लाइट में बड़ी मात्रा में ड्रग्स लाया जा रहा है। यह यात्री थाई एयरवेज़ इंटरनेशनल की फ़्लाइट नंबर TG-343 से बैंकॉक से



अहमदाबाद पहुँचा था। जब एक संदिग्ध यात्री को रोका गया और उसके सामान को स्कैन करके चेक किया गया, तो उसके ट्रॉली बैग में 6 वैक्यूम सील्ड पैकेट मिले। जब इन पैकेटों को खोला गया, तो उनमें एक हरे रंग का सूखा हुआ पौधे जैसा पदार्थ मिला। एयरपोर्ट पर शुरुआती टेस्ट करने पर यह साफ़ हो गया कि यह मारिजुआना है।

अपनी पहली विदेश यात्रा पर 'ड्रग कैरियर' बना

गिरफ़्तार आरोपी से शुरुआती पूछताछ में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। गिरफ़्तार व्यक्ति मूल रूप से रायपुर, छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। खास बात यह है कि इस यात्री की यह पूरी ज़िंदगी की पहली विदेश यात्रा थी। अपनी पहली यात्रा में ही वह मोटी कमाई के लालच में ड्रग माफियाओं के लिए 'ड्रग कैरियर' बनकर मारिजुआना की तस्करी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अब इस मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। यह यात्री किसके कहने पर बैंकॉक से इतनी बड़ी मात्रा में मारिजुआना लाया था? इस रैकेट के पीछे कौन सा इंटरनेशनल गैंग एक्टिव है, यह पता लगाने के लिए गहन पूछताछ और जांच शुरू की गई है, चाहे वह अहमदाबाद हो या भारत का कोई और शहर।

गांधीनगरः BISAG की नई बिल्डिंग से 19.59 लाख रुपये की कॉपर फिटिंग चोरी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पटना गांधीनगर के हाई-सिक्योरिटी और बहुत ज़्यादा सुरक्षित इलाके में मौजूद ज़रूरी सरकारी संस्था 'भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो-इन्फॉर्मेटिक्स' में चोरी की घटना सामने आई है। तस्करों ने BISAG कैंपस में बन रही नई बिल्डिंग को निशाना बनाया और सेंट्रल AC फिटिंग के लिए रखा 19.59 लाख रुपये का कीमती कॉपर चुरा लिया। इस मामले में इंफोसिटी पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई गई है।

बिल्डिंग का काम 2023 से चल रहा था

असल में दिल्ली के रहने वाले और अभी गांधीनगर के कुडासन इलाके में रहने वाले वरुण राजकवर अग्रवाल ने इस बारे में पुलिस में कंप्लेंट दर्ज कराई है। कंप्लेंट के मुताबिक, उनके पिता के नाम पर 'द कृष्णा कंस्ट्रक्शन' नाम की एक कंपनी चल रही है, जिसके पास बड़े सरकारी कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्ट हैं। जब से इस कंपनी को गांधीनगर बाइसेग में नई बिल्डिंग बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है, तब से 2023 से वहां कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है।

हॉल चेक करने पर सिर्फ़ खाली बॉक्स मिले

क्योंकि इस नई बनी मॉडर्न बिल्डिंग में सेंट्रल AC लगाया जाना था, इसलिए AC फिटिंग के लिए ज़रूरी कीमती सामान मार्च महीने में ऑर्डर कर दिया गया था। यह सारा सामान सिक्योरिटी के लिए बिल्डिंग के ग्राउंड फ़्लोर पर एक खुले हॉल में रखा गया था। फिर 14 मई को AC सिस्टम फिटिंग का काम करने वाली एजेंसी का एक कर्मचारी मनोजभाई साइट पर आया। जब वरुण अग्रवाल और उनके स्टोरकीपर कलंक मलिक AC का सामान दिखाने ग्राउंड फ़्लोर पर हॉल में गए, तो वहां का नज़ारा देखकर चौंक गए। हॉल में सिर्फ़ष्ट के सामान के खाली बॉक्स पड़े थे और अंदर से कीमती सामान गायब था।

19.59 लाख रुपये चुराकर तस्कर फरार

कंपनी के अधिकारियों ने तुरंत अंदरूनी जांच की और बचे हुए स्टॉक की गिनती की। पता चला कि तस्करों ने 6,57,720 रुपये कीमत के कॉपर कॉइल और 13.02 लाख रुपये कीमत के कॉपर पाइप, कुल 19,59,585 रुपये चुरा लिए और फरार हो गए। एक ज़रूरी सरकारी और साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन के कैंपस से इतने बड़े पैमाने पर हुई चोरी ने सिक्योरिटी सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दवाइयां न देने के मामले में हेल्थ मिनिस्टर ने सख्त एक्शन लियाः विसनगर से जूनियर फार्मासिस्ट का कच्छ ट्रांसफर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में मरीजों के हितों को प्राथमिकता देते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक और सख्त एक्शन लिया है। काफी मात्रा में दवाइयां होने के बावजूद मरीजों को दवाइयां देने में लापरवाही के मामले में हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल्ल पंचेरिया ने विसनगर में काम कर रहे जूनियर फार्मासिस्ट प्रशांत श्रीमाली का कच्छ ट्रांसफर करने और उनके खिलाफ डिपार्टमेंटल जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

जांच में दवाइयों का स्टॉक मौजूद मिला

हेल्थ मिनिस्टर के निर्देश के बाद की गई जांच में पता चला कि गांधीनगर में जरूरी दवाएं काफी मात्रा में मौजूद थीं। हालांकि, मरीजों को समय पर दवाइयां न मिलने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट ने जिम्मेदार कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मरीजों की सेहत के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः हेल्थ डिपार्टमेंट हेल्थ डिपार्टमेंट ने साफ कर दिया है कि मरीजों की सेहत के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को समय पर, अच्छी क्वालिटी की और आसानी से हेल्थ सर्विस मिलें, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सूत्रों ने यह भी कहा है कि राज्य सरकार मरीज़ों पर केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को और ज़्यादा असरदार बनाने के लिए सख़्त रुख अपना रही है।

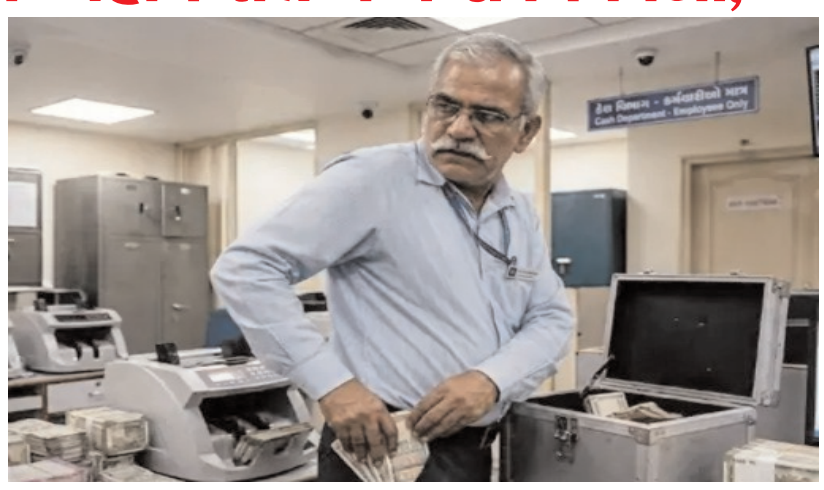
RBI के करेंसी चेस्ट से 8.70 करोड़ रुपये का गबनः स्क्रैप के बहाने रात में कैश निकाला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पता चला है कि जॉइंट कस्टोडियन ने अहमदाबाद के कालूपुर गांधी रोड फुवारा के पास बैंक ऑफ बड़ौदा की मेन ब्रांच में RBI के करेंसी चेस्ट से 8.70 करोड़ रुपये का गबन किया है। बैंक में ऑडिट के दौरान 500 के रेट के 174 रीम कम पाए गए। इसलिए जांच के दौरान जॉइंट कस्टोडियन ने RBI के ई-कुबेर पोर्टल पर गलत सर्टिफिकेट और चेस्ट स्लिप जमा किए और एक्सेल शीट से भी छेड़छाड़ की। इस बारे में बैंक के चीफ मैनेजर ने कालूपुर पुलिस स्टेशन में जॉइंट कस्टोडियन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

RBI का करेंसी चेस्ट गांधी रोड BOB में आ गया है

त्रागड़ के रहने वाले हरिहर देवम ने कालूपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। वह गांधी रोड पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा में चीफ़ मैनेजर के तौर पर काम करते हैं। उनके बैंक में रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया से पैसे जमा करने के लिए एक वॉल्ट (करेंसी चेस्ट) रखा है। RBI से मिला कैश इसमें रखा जाता है। ज़रूरत के हिसाब से ब्रांच से सभी बैंकों को कैश भेजा जाता है। बैंक की तरफ़ से करेंसी चेस्ट पर एक कस्टोडियन और एक जॉइंट कस्टोडियन रखे जाते हैं। चांदखेड़ा के हरसिद्धभाई कडियार को जॉइंट कस्टोडियन के तौर पर रखा गया था। फिर



दोनों की मौजूदगी में करेंसी चेस्ट खोला जाता है। जब वॉल्ट में ज़्यादा अमाउंट लोड या अनलोड करने की ज़रूरत होती है, तो RBI की तरफ़ से रखे गए कॉन्ट्रैक्टर को बताया जाता है। वह कॉन्ट्रैक्टर लेबर भेजता है। फिर जुल्फ़िकार अंसारी और उसका बेटा सुल्तान अहमद अंसारी और दूसरे लेबरर अक्सर लेबर के तौर पर आते हैं।

जॉइंट कस्टोडियन रात में बैंक जाता था और पैसे निकाल लेता था।

बाद में, 13 अप्रैल 2026 से हरसिद्धभाई ने बुखार होने की बात कहकर छुट्टी लेकर बैंक में काम पर आना बंद कर दिया। लेकिन उसी दिन रात में हरसिद्ध दो मजदूरों के साथ बैंक जाकर बक्से ले जाता था। तो सिक्योरिटी ने मैनेजर को फोन करके हरसिद्ध को गुमराह किया कि वह स्क्रैप के बक्से ले जा रहा है। कई बार मेल, चिट्ठी और फोन से बताने के बाद भी मैनेजर नहीं आया। फिर उसका चार्ज दूसरे बैंक कर्मचारियों को सौंप दिया गया। बाद में बैंक में ऑडिट के दौरान करेंसी चेस्ट में 500 रुपये के 174 रीम कम पाए गए। इसकी कीमत 8.70 करोड़ रुपये है। इसलिए बैंक की तरफ से जांच करते हुए हरसिद्ध ने RBI के ई-कुबेर करेंसी चेस्ट पोर्टल पर झूठा बैलेंस सर्टिफिकेट और चेस्ट स्लिप जमा की। यह भी पता चला है कि उसने अकाउंट्स बीन बुक में गलत जानकारी भरकर रिकॉर्ड में 8.70 करोड़ रुपये दिखाकर चोरी, धोखा और गबन किया है। इस बारे में चीफ मैनेजर ने कालूपुर पुलिस स्टेशन में जॉइंट कस्टोडियन हरसिद्ध के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

डोंगरगांव विभीषण नेता ने मुरूम खनन में जब्त गाड़ी को छुड़ाने के लिए पूरी ताकत लगाई एक न चली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। क्षेत्र के बीजाभाठा में विगत लंबे समय से चल रहे हैं अवैध मुरूम खनन परिवहन एवं तस्करी में संलग्न दो हाईवा और एक जेसीबी को तहसीलदार कमल किशोर साहू की टीम के द्वारा जप्त किया गया है बताया जाता है कि दोनों गाड़ियों के मालिक संजय सोनकर जो की अमलीडीह का निवासी है का बताया जा रहा है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब उसकी गाड़ी को थाने में लाया गया तो पूरे डोगरगांव विधानसभा में भीतरघात और जयचंद की भूमिका निभाने के लिए विख्यात एक विभीषण भाजपा नेता ने न सिर्फ गाड़ी को छुड़ाने के लिए दबाव बनाया बल्कि मौके पर डटे भी रहे गोरतलब बात है कि गाड़ी का मालिक संजय सोनकर है जो कि एक कांग्रेस नेता का रिश्तेदार है विधानसभा में भीतरघात के लिए मशहूर इस भीतरघाती नेता ने मदद करने की कोशिश की बल्कि थाने में ही बैठे रहकर अधिकारियों पर दबाव बनाते रहे बेहद विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उन्हीं कथित नेता के संरक्षण में क्षेत्र में लंबे समय से गौण खनिजों का मुरूम का खनन एवं परिवहन चोरी की वारदात किया जा रहा था उल्लेखनीय है की उक्त नेता पर समय-समय पर यह आरोप लगते रहते हैं कि वह विरोधी पार्टी से मिलकर अपने पार्टी की कब्र खोदने में लगे रहते हैं और यह बात समय समय पर प्रमाणित भी हुआ है पार्टी के अंदर खाने उसे हटाने की मुहिम चल रही है लेकिन कोई नेता खुलकर इस विभूषण नेता के खिलाफ बोलने की हिमाकत नहीं करता उसने राजनीति की आड़ में करोड़ों का महल खड़ा कर चुका है यही कारण है कि कार्यकर्ता उसके खिलाफ मुंह खोलने के लिए भी डरने लगे हैं इस घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है आखिर इस नेता को कांग्रेसी नेता की गाड़ी को छुड़ाने में इतनी रुचि क्यों है कही ऐसा तो नहीं की कमीशन के खेल में वह भी पूरी तरह से शामिल हो हेमंत वर्मा की कलम से

ऑक्सीजन जोन में जप्त 54 ट्रेक्टर-ट्रॉली रेत को पुनः शिवनाथ नदी में डाला गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए आज खनिज विभाग की टीम ने सरपंच ग्राम पंचायत भंवरमारा, वार्ड क्रमांक 51 हरदी के पार्षद तथा ग्राम प्रमुखों की उपस्थिति में ऑक्सीजन जोन स्थित शिवनाथ नदी तट में अवैध रूप से भण्डारित 54 ट्रेक्टर-ट्रॉली रेत को पुनः शिवनाथ नदी में डाला गया। ज्ञातव्य है कि खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा कुछ दिन पूर्व ऑक्सीजन जोन स्थित शिवनाथ नदी क्षेत्र में अवैध रूप से भण्डारित रेत के विरूद्ध कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई के दौरान दो ट्रेक्टर-ट्रॉली एवं एक लोडर वाहन जप्त किया गया था। भंवरमारा निवासी अविनाश सोनी द्वारा ऑक्सीजन जोन स्थित शिवनाथ नदी से खनिज रेत का अवैध उत्खनन कर रेत का अवैध भण्डारण किया गया था। अवैध रूप से भण्डारित लगभग 54 ट्रेक्टर-ट्रॉली रेत को आज पुनः शिवनाथ नदी में डाला गया, जिससे ऑक्सीजन जोन का प्राकृतिक सौन्दर्य एवं पर्यावरणीय संतुलन बरकरार रखा जा सके। जिला प्रशासन ने कहा है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। साथ ही अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंकलेश्वर जीआईडीसी में कानून-व्यवस्था तार-तारः बुटलेगर रमेश वसावा के देसी शराब के ठिकाने बेखौफ,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। में पूर्ण शराबबंदी के दावों और सख्त कानूनों की धज्जियां उड़ाती एक बेहद चौंकाने वाली तस्वीर भरूच जिले के औद्योगिक हब माने जाने वाले अंकलेश्वर से सामने आ रही है। अंकलेश्वर इस समय जैसे अपराधियों और बुटलेगरों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है। यहाँ देसी शराब के अवैध अड्डे किसी सेवाभावी प्याऊ की तरह गली-गली में खुलेआम संचालित हो रहे हैं। अंकलेश्वर जीआईडीसी क्षेत्र में रमेश वसावा नाम के बुटलेगर का साम्राज्य इस कदर फैल चुका है कि मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के कड़क आदेशों को भी यहाँ सरेआम ठेंगा दिखाया जा रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि अंकलेश्वर जीआईडीसी पुलिस स्टेशन से महज एक किलोमीटर के दायरे में देसी शराब की धड़ल्ले से बिक्री हो रही है, जो स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय सूत्रों और खोजी कड़ियों से मिली जानकारी के मुताबिक, अंकलेश्वर जीआईडीसी हो या रेलवे स्टेशन के पीछे का हिस्सा, आप जिस भी गली से गुजरेंगे वहाँ रमेश वसावा के देसी शराब के ठिकाने चौबीसों घंटे चालू मिलते हैं। मजदूर वर्ग और स्थानीय युवाओं के भविष्य को गर्त में धकेलने वाले ये अवैध अड्डे बिना किसी खौफ के बेरोकटोक चल रहे हैं। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि कानून का इतना बड़ा उल्लंघन आखिर किसकी शह पर हो रहा है? इस खुलेआम चलते काले कारोबार के पीछे ऐसा कौन सा रसूखदार हाथ बैठा है, जिसके डर से स्थानीय पुलिस भी इन ठिकानों पर छापेमारी करने से कतरा रही है?

अंकलेश्वर के इस अवैध शराब तंत्र को सुरक्षित चलाने के पीछे एक बड़ा नाम इन दिनों चर्चा के केंद्र में है और वह नाम है 'दत्तू'। बुटलेगर रमेश वसावा का मुख्य कारिंदा और तथाकथित वहीवटदार कहा जाने वाला यह दत्तू नाम का शख्स पूरे इलाके में कथित तौर पर सांठगांठ का बड़ा खेल चलाता है। अंदरूनी हलकों में चर्चा तो यहाँ तक है कि चाहे अंकलेश्वर पुलिस हो या भरूच एलसीबी, यह दत्तू नाम का बिचौलिया लंबे समय से हर स्तर पर कथित सांठगांठ बिठाकर इस अवैध धंधे को पूरी सुरक्षा दिलवाता है। जब कानून के रखवाले ही ऐसे कारिंदों के इशारे पर चुप्पी साध लें, तो आम जनता न्याय और सुरक्षा की उम्मीद किससे करे? अंकलेश्वर जीआईडीसी क्षेत्र में जिस प्रकार से केमिकल युक्त और बेहद खतरनाक देसी शराब की भट्टियां धधक रही हैं, उसे देखते हुए भविष्य में किसी बड़े लट्ठाकांड (जहरीली शराब त्रासदी) की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अतीत में राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बड़ी शराब त्रासदियों से भी अंकलेश्वर पुलिस ने कोई सबक सीखा हो, ऐसा फिलहाल दिखाई नहीं देता। स्थानीय जनता में इस लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है और लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या उच्च अधिकारी इस गंभीर मामले का संज्ञान लेंगे? क्या अंकलेश्वर पुलिस समय रहते रमेश वसावा और उसके कारिंदे दत्तू के खिलाफ सख्त कानूनी चाबुक चलाकर उन्हें जेल के सीखचों के पीछे भेजेगी, या फिर किसी बड़ी अनहोनी और मासूमों की जान जाने का इंतजार करती रहेगी?

असम की पूर्व विधायक रूमी नाथः राजनीति, विवादों और कानूनी दांवपेंच की एक अनकही दास्तान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्य असम की राजनीति में कुछ साल पहले एक ऐसा नाम उभरा, जिसने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और कानूनी विवादों के कारण पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह कहानी है असम के बोरखोला निर्वाचन क्षेत्र से दो बार विधायक रहीं रूमी नाथ की। एक प्रतिष्ठित परिवार की बहू और सीधी-सादी गृहणी से लेकर राजनीति के शीर्ष तक पहुंचने और फिर कानूनी विवादों के दलदल में फंसने की उनकी कहानी किसी फिल्मी पटकथा जैसी लगती है। आजकल सोशल मीडिया पर उनकी जिंदगी से जुड़ी कई तरह की कहानियां और दावे वायरल हो रहे हैं, जो उनकी विवादित जिंदगी के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं। राजनीतिक सफर और पारिवारिक जीवन की शुरुआत रूमी नाथ असम के एक सम्मानित और जाने-माने डॉक्टर राकेश कुमार सिंह की पत्नी थीं। डॉक्टर सिंह की समाज में अच्छी प्रतिष्ठा थी और दोनों की एक दो वर्षीय बेटी भी थी। राजनीति में कदम रखते ही रूमी नाथ को



बड़ी सफलता मिली। डॉ. राकेश सिंह की प्रतिष्ठा और महिला उम्मीदवार होने के नाते उन्हें जनता का भारी समर्थन मिला और वे विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बनीं।

दूसरा विवाह, धर्म परिवर्तन और देशव्यापी विवाद

रूमी नाथ के जीवन में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब साल 2012 में उन्होंने अपने पहले पति को बिना तलाक दिए जैकी जाकिर नाम के एक युवक से शादी कर ली। इस शादी के लिए उन्होंने इस्लाम धर्म कबूल किया और अपना नाम 'राबिया सुल्ताना' रख लिया। इस घटना के बाद असम सहित पूरे देश की राजनीति और मीडिया में हड़कंप मच गया था। रूमी नाथ के पिता और उनके पहले पति डॉ. राकेश सिंह ने इस मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। विवाद इतना बढ़ गया था कि रूमी नाथ और उनके दूसरे पति जैकी जाकिर पर एक होटल में भीड़ द्वारा हमला भी किया गया था। कुछ समय के लिए वे देश से बाहर भी चली गईं थीं। रूमी नाथ और जैकी जाकिर का यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक शांति से नहीं चल सका। दोनों की एक बेटी भी हुई, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके बीच विवाद शुरू हो गया। रूमी नाथ ने अपने दूसरे पति जैकी जाकिर पर शारीरिक प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और पैसे छीनने के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद जैकी जाकिर को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था और रूमी नाथ उससे अलग हो गईं। पराध की दुनिया और जेल की सलाखें विवादों का सिलसिला यहीं नहीं थमा। दूसरे पति से अलग होने और राजनीतिक जमीन खिसकने के बाद रूमी नाथ का नाम एक बड़े आपराधिक मामले में सामने आया।

बैंकॉक से ट्रॉली बैग में आ रहा था 'मौत का सामान', अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 6.5 किलो गांजे के साथ रायपुर का युवक गिरफ्तार!

साउथ सिनेमा से सत्ता के शिखर तकः जोसेफ विजय ने तमिलनाडु में रचा नया इतिहास



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दक्षिण भारत की राजनीति में एक नया सूर्योदय हुआ है। अपनी प्रचंड लोकप्रियता के लिए मशहूर अभिनेता और 'तमिलगा वेत्री कज़गम' पार्टी के प्रमुख जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनकर देश भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता पर दक्षिण भारतीय सिनेमा के भगवान मजाने वाले सुपरस्टार रजनीकांत ने जोसेफ विजय को विशेष बधाई दी है। रजनीकांत ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा है कि विजय ने बेहद कम उम्र में आंध्र प्रदेश के महान नेता एन.टी. रामाराॅव से भी बड़ी उपलब्धि हासिल कर दिखाई है। इसके साथ ही देश भर में एक नया सवाल तैर रहा है कि तमिलनाडु की राजनीति में जो काम खुद रजनीकांत और कमल हासन जैसे दिग्गज नहीं कर पाए, उसे इस युवा अभिनेता ने कैसे कर दिखाया? जोसेफ विजय की इस जादुई सफलता के पीछे के कुछ मुख्य समीकरण इस प्रकार हैंः

स्पष्ट विजन और सही समय का चुनावः

सुपरस्टार रजनीकांत ने सालों तक राजनीति में आने की घोषणाएं कीं, लेकिन आखिरी वक्त पर वे पीछे हट गए, जिससे उनके प्रशंसकों में निराशा फैल गई थी। दूसरी तरफ कमल हासन ने पार्टी तो बनाई, लेकिन वे मतदाताओं को एक मजबूत विकल्प होने का भरोसा नहीं दिला सके। इसके विपरीत विजय ने सही समय पर, पूरी प्लानिंग और पक्के इरादे के साथ अपने फिल्मी करियर को एक तरफ रखकर सीधे जनता के बीच कदम रख दिया।

युवा पीढ़ी और साइलेंट वोटर्स से जुड़ावः

विजय की लोकप्रियता तमिलनाडु के युवाओं के बीच अभूतपूर्व है। उन्होंने अपने लाखों प्रशंसकों के संगठन को सीधे राजनीतिक संगठन में बदल दिया। सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक उनके प्रशंसकों ने दिन-रात एक करके प्रचार किया। विजय ने पारंपरिक डीएमके और एआईएडीएमके जैसी क्षेत्रीय पार्टियों से ऊब चुकी जनता को एक तीसरा मजबूत और प्रगतिशील विकल्प दिया।

सामाजिक कार्यों से जीता जनता का विश्वासः

विजय सिर्फ चुनाव के वक्त ही जनता के बीच नहीं गए, बल्कि पिछले कई सालों से वे अपनी फैन क्लब के जरिए गरीबों को अनाज, छात्रों को शिक्षा सहायता और आपदा के समय सीधे मदद पहुंचाते रहे थे। इस सामाजिक आधार ने उन्हें महज एक 'रुपहरी पर्दे का हीरो' न रखकर 'जनता का नेता' बना दिया। सुपरस्टार रजनीकांत का यह बयान साफ दर्शाता है कि विजय ने दक्षिण की राजनीति में दशकों पुरानी क्षेत्रीय पार्टियों के दबदबे को तोड़कर एक नया अध्याय शुरू किया है। सिनेमा के पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करने वाले विजय अब मुख्यमंत्री के तौर पर तमिलनाडु के विकास की स्क्रिप्ट कैसी लिखते हैं, इस पर पूरे देश की नजर रहेगी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो रिपोर्ट,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अवैध निर्माण और सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर सियासत पूरी तरह गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष के एक ताजा बयान ने इस प्रशासनिक कार्रवाई को देशव्यापी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। दिलीप घोष ने साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई अब रुकने वाली नहीं है।

बुलडोजर तो पूरे देश में चलेगा

दिलीप घोष ने अपने बयान में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बुलडोजर की यह कार्रवाई केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह पूरे देश में चलाई जाएगी। जहां भी सरकारी नियमों का उल्लंघन करके अवैध निर्माण किया गया है, वहां प्रशासन का डंडा चलना तय है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही दिन से इस विशेष अभियान की शुरुआत कर दी है, जिसका उद्देश्य राज्य को अतिक्रमण मुक्त बनाना है।

अवैध कारोबार करने वालों को सलाह और सरकार का सहयोग

अपने संबोधन में दिलीप घोष ने अवैध गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण में शामिल लोगों से एक विशेष अपील भी की। उन्होंने कहा कि जो लोग अब तक अवैध तरीकों से काम कर रहे थे, वे मुख्यधारा में लौटें और वैध तरीके से अपना व्यवसाय शुरू करें। अगर कोई सही रास्ते पर आकर काम करना चाहता है, तो सरकार उनकी पूरी मदद करेगी और उनका सहयोग करने के लिए तैयार है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कानून हाथ में लेने वालों को कोई छूट दी जाएगी। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं भाजपा नेता ने स्पष्ट किया कि सरकारी संपत्तियों और जमीनों पर किसी भी तरह का कब्जा या अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई इमारतों और दुकानों को हटाने का काम पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। इसमें किसी भी स्तर पर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

बयान के बाद बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी और बहस तेज

दिलीप घोष के इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष और समर्थक इसे कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने और सरकारी संपत्तियों की रक्षा के लिए एक जरूरी कदम बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल इस बुलडोजर नीति पर सवाल उठा रहे हैं। महानगर की सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक इस समय पश्चिम बंगाल के इस 'बुलडोजर अभियान' और दिलीप घोष के बयान को लेकर बहस छिड़ गई है।

डाकू तो बंदूक कि नोक पर लुटते हैं लेकिन यहां तो समाज के डाकू बिना बंदूक के ही लोगों को लूट रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सामाजिक बहिष्कार एक ऐसा अभिशाप जो पूरे परिवार को तबाह कर देता है व्यक्ति के मान सम्मान को घातक चोट पहुंचाता है एक तरीके से हम यह कह सकते हैं कि 90 के दशक में देश में डाकुओं का चलन हुआ करता था डाकू बंदूक की नोक पर लोगों को लूटते थे लेकिन समाज के कुछ दलाल नुमा डाकू अपने लोगों को बिना बंदूक के लूट रहे हैं जी हां सामाजिक बहिष्कार आज एक ऐसा अभिशाप है यह छत्तीसगढ़ के गांव गांव गली गली मोहल्ले मोहल्ले में आए दिन ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं किसी ने आपको वोट नहीं दिया तब सामाजिक बहिष्कार गांव में त्यौहार है और काम में चले गए तब सामाजिक बहिष्कार या किसी दलाल टाइप के व्यक्ति से वाद विवाद तब सामाजिक बहिष्कार छोटा सा जगह घेरा कर दिया तब सामाजिक बहिष्कार सामाजिक बहिष्कार ऐसी छोटी-छोटी बातों पर किया जा रहा है जिनका कोई विशेष महत्व नहीं है और मजेदार बात यह है कि जो लोग सामाजिक बहिष्कार कर रहे हैं वह लोग भी कोई दूध का धुला नहीं है मसलन जो गांव में सियानी कर रहे हैं वह लोग भी अतिक्रमण किए हुए हैं वह लोग भी गाली-गलौज कर ही रहे हैं वह लोग भी किसी की बहू बेटी से छेड़छाड़ कर ही रहे मतलब वह करें तब चमत्कार आप कहो तो अत्याचार राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत बननवागांव निवासी पन्नालाल रामटेके विगत डेढ़ दशक से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं कुछ गलतियों के लिए गांव में दंड भी दिया था उसकी रसीद में बाकायदा दी गई उसके बावजूद भी आज तक उन्हें समाज में शामिल नहीं किया गया इसकी शिकायत उन्होंने शासन प्रशासन एसडीम कलेक्टर तहसीलदार सारे अधिकारियों को कर चुका है बावजूद उसे अब तक न्याय नहीं मिल पा रहा है पन्नालाल रामटेके ने बताया कि वह सामाजिक अभिशाप का दंश झेल रहे हैं और अगर उसे अब न्याय नहीं मिला तब वह आमरण अनशन पर बैठने की तैयारी में है उन्होंने प्रदेश सरकार की सुशासन दिवस पर भी सवाल उठाया है कहा कि सुशासन त्यौहार में भी उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है कुल मिलाकर सामाजिक बहिष्कार एक ऐसा अभिशाप है जो पूरे परिवार को तबाह कर देता है जो व्यक्ति समाज में नहीं रहता वह या तो देवता होता है या पशु होता है लेकिन समाज में कुछ दलाल नुमा लोग जबरदस्ती किसी इंसान को पशु या देवता शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं आज जमाना कहां से कहां पहुंच गया लोग चांद तारे में पहुंच रहे हैं उसके बावजूद समाज में कुछ ऐसे दकियानूसी विचारधारा के लोग हैं जो अपने स्वार्थ के चक्कर में लोगों को समाज से बहिष्कृत कर रहे हैं सोचिए अगर आप समाज में रहते हैं लेकिन कोई व्यक्ति आपके घर में काम में नहीं आएगा आपकी सुख दुख में कोई साथ नहीं रहेगा तब आपके ऊपर क्या बीतेगी बंदरों का एक समूह होता है लेकिन कोई एक बंदर को अगर अलग कर दिया जाता है तो वह कैसे पागलों की भांति इधर-उधर घूमता है लोग उसे भदबेहरा कहते हैं तो सामाजिक बहिष्कार किए हुए लोगों को हम क्या कहें सवाल बेहद गंभीर है लेकिन जवाब फिलहाल मिलता नजर नहीं आ रहा है हेमंत वर्मा की कलम से

पर्यावरण और फिटनेस का संदेशः जयपुर पुलिस ने पकड़ी साइकिल, क्या अब आम जनता भी बदलेगी आदत?

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। देश में लगातार बढ़ते ईंधन खर्च और पर्यावरण संरक्षण की चिंताओं के बीच राजस्थान की राजधानी जयपुर से एक बेहद दिलचस्प और सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। प्रधानमंत्री द्वारा देश की जनता से पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील के बाद, जयपुर पुलिस ने एक अनूठी पहल की शुरुआत की है। जयपुर के ऐतिहासिक 'वॉल्ड सिटी' (परकोटा) इलाके में पुलिस के जवान मोटरसाइकिल और पीसीआर वैन के बजाय साइकिलों पर सवार होकर गश्त करते नजर आए।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल, फिटनेस और पर्यावरण का संदेश

साइकिल पर मुस्तैदी से ड्यूटी करते पुलिसकर्मियों की ये तस्वीरें और वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस प्रशासन की इस पहल का मकसद सिर्फ सरकारी ईंधन और पेट्रोल के पैसे बचाना नहीं है, बल्कि इसके जरिए आम जनता को अपनी फिटनेस सुधारने और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने का एक बड़ा संदेश देना भी है। तंग गलियों वाले इस वीआईपी और व्यापारिक इलाके में साइकिल से गश्त करने के कारण पुलिसकर्मी हर नागरिक तक आसानी से पहुंच पा रहे हैं।

व्यवस्था में बदलावः दिखावा या एक गंभीर शुरुआत?

आज के दौर में जहां सरकारी विभागों और सुरक्षा व्यवस्थाओं में हर दिन हजारों लीटर ईंधन पानी की तरह बहाया जाता है, वहां पुलिस जैसी बड़ी और व्यस्त व्यवस्था का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि, हमेशा की तरह इस पहल को लेकर भी लोगों की राय बंटी हुई है। जहां कुछ सोशल मीडिया यूजर्स और आलोचक इसे महज एक दिन का 'दिखावा' या पब्लिसिटी स्टंट करार दे रहे हैं,उनका मानना है कि जब खाकी वर्दी वाले जमीन पर उतरकर ऐसा बदलाव दिखाएंगे, तो इसका असर लाखों लोगों की सोच पर पड़ेगा।

महानगर मेट्रो का सवालः क्या अब आम जनता की बारी है?

जयपुर पुलिस की इस पहल ने एक बहुत बड़ा और प्रासंगिक सवाल हम सभी के सामने खड़ा कर दिया है। आज जब हर घर में छोटी से छोटी दूरी, जैसे पास की दुकान से दूध या सब्जी लाने के लिए भी बाइक या कार का इस्तेमाल एक आदत बन चुका है, तो क्या हमें अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत नहीं है? सवाल यह है कि क्या देश के आम नागरिकों को भी अब कम से कम छोटी दूरियों के लिए अपनी गाड़ियां छोड़कर साइकिल उठाने या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने का संकल्प लेना चाहिए? क्योंकि ईंधन संरक्षण और पर्यावरण को बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि इस देश के हर एक नागरिक की है। जयपुर पुलिस ने तो रास्ता दिखा दिया है, देखना यह है कि जनता इस रास्ते पर कितना आगे बढ़ती है।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य, मैं 2034 तक रहूँगा मुख्यमंत्रीःगाना के सीएम रेवंत रेड्डी का बड़ा सियासी बयान

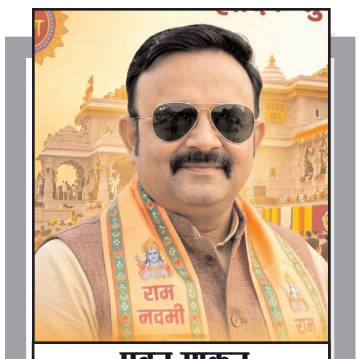
महानगर मेट्रो ब्यूरो



हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति और अपने स्वयं के राजनीतिक भविष्य को लेकर एक बहुत बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को देश के प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार बताते हुए अपने लंबे राजनीतिक विजन को जनता के सामने रखा है। रेवंत रेड्डी के इस बयान के बाद देश के राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छिड़ गई है। एक विशेष बातचीत के दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने खुलकर कहा कि राहुल गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनाना ही उनका सबसे मुख्य लक्ष्य है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की राजनीति पर अपनी मजबूत पकड़ का दावा करते हुए कहा कि वे वर्ष 2034 तक तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। रेवंत रेड्डी का यह आत्मविश्वास दर्शाता है कि वे न केवल राज्य में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस पार्टी को एक नई दिशा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अपने संगठन को लगातार मजबूत करने और विपक्षी एकता की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। ऐसे माहौल में तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही रेवंत रेड्डी दक्षिण भारत की राजनीति में एक बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनके इस होनहार नेतृत्व और ताजा बयान को आने वाले आम चुनाव तथा कांग्रेस की राष्ट्रीय रणनीति के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण और दूरगामी माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रेवंत रेड्डी ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं। एक तरफ जहाँ उन्होंने राहुल गांधी के प्रति अपनी अटूट निष्ठा जाहिर करके केंद्रीय नेतृत्व में अपना कद और मजबूत कर लिया है।



खंडहरों की गवाही ने लौटाया भोजशाला में वाग्देवी का सम्मान



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

रविवार को भोजशाल में भव्य पूजा अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। सुबह 6:30 बजे भक्तों ने मां वाग्देवी के चित्र को गर्भगृह में स्थापित किया। दिनभर हवन-पूजन होगा। धार स्थित भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

एक विध्वंस के अवशेष एक मां के मंदिर का सम्मान वापिस लौटाने के लिए गवाह बन गए।मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भोजशाला को वाग्देवी मंदिर मान लिया है। हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार भी दे दिया। कोर्ट के इस फैसले के एक दिन बाद आज, रविवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना और हवन हो रहा है। धार के कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना में शामिल हुए। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की मूर्ति स्थापना की मांग को भी स्वीकार कर लिया है।

हाल ही में हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि राजा भोज के काल में यह शिक्षा का प्रमुख केंद्र था, इसलिए यहां मूर्ति स्थापना की जा सकती है। अदालत ने पुरातात्विक व ऐतिहासिक साक्ष्यों, पुरातत्व सर्वेक्षण भारत की रिपोर्ट, पुरातत्व संरक्षण एक्ट के प्रावधानों और अयोध्या मामले के फैसले को आधार बनाया है। इस फैसले के बाद आज 17 मई को भोजशाला मंदिर में मां वाग्देवी की प्रतीकात्मक प्रतिमा को विराजित कर दिया गया है।

आपको बता दें कि लंबे समय से विवादों में रहे मध्य प्रदेश के धार जिले के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने शुक्रवार को मंदिर करार दिया। पीठ ने कहा कि पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर विचार करने के बाद वह इस नतीजे पर पहुंची है कि संरक्षित स्थान देवी सरस्वती का मंदिर है। पीठ ने एएसआई द्वारा 2003 में पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत मुसलमानों को परिसर में नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर पुरातात्विक व ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की अधिसूचनाओं व उसके वैज्ञानिक सर्वेक्षण और कानूनी प्रावधानों की रोशनी में फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के मुकदमे में शीर्ष अदालत के फैसले में निर्धारित सिद्धांतों का भी उल्लेख किया। खंडपीठ ने सामाजिक संगठन हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी व अन्य लोगों की दायर दो अलग-अलग जनहित याचिकाएं मंजूर करते हुए कहा, भोजशाला परिसर और कमाल मौला मस्जिद के



विवादित क्षेत्र का धार्मिक स्वरूप वाग्देवी (सरस्वती) के मंदिर वाली भोजशाला के रूप में तय किया जाता है। भोजशाला को लेकर विवाद शुरू होने के बाद एएसआई ने 7 अप्रैल, 2003 को एक आदेश जारी किया था। इसमें हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति दी गई थी, जबकि मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई थी। इस फैसले को मुस्लिम पक्ष ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दूसरी ओर हिंदू पक्ष के एक याची जितेंद्र सिंह बिसेन की तरफ से शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय में कैविएट दाखिल की गई जिसमें अनुरोध किया गया कि भोजशाला परिसर विवाद मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर कोई भी आदेश उसका पक्ष सुने बिना पारित नहीं किया जाए।

गौरतलब है कि एएसआई ने भोजशाला परिसर का 98 दिनों तक सर्वे कर उसकी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की थी। इसमें कई अहम तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खोदाई में मूर्तियां, सिक्के और कई ऐतिहासिक अवशेष मिले हैं। इसमें कहा गया कि परमारकालीन भवन की नींव के पत्थरों पर बाद में निर्माण किया गया। सर्वे में मिले स्तंभों और वास्तुकला से संकेत मिलता है कि ये पहले मंदिर का हिस्सा रहे होंगे, जिन्हें बाद में मस्जिद निर्माण में इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि परिसर में चारों दिशाओं में 106 खड़े व 82 आड़े स्तंभमिले, यानी कुल 188 स्तंभ पाए गए। इनकी बनावट से संकेत मिलता है कि वे मूल रूप से मदिर स्थापत्य का हिस्सा थे। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि स्तंभों पर बनी देवी-देवताओं और मानव आकृतियों को बाद में औजारों से क्षतिग्रस्त किया गया था। सर्वे में दो ऐसे स्तंभ भी मिले हैं, जिन पर ओम सरस्वत्यै नमः लिखा हुआ है। सर्वे रिपोर्ट के पेज नंबर 148 में उल्लेख किया गया है कि स्तंभों की वास्तुकला यह दशार्ती है कि वे पहले मंदिर का हिस्सा थे और मस्जिद निर्माण के दौरान बेसाल्ट के ऊंचे चबूतरों पर उनका दोबारा उपयोग किया गया। एक स्तंभपर देवी-देवता की आकृति मौजूद है।अपने 242 पृष्ठों के फैसले में अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), जो 1952 से इस स्मारक का प्रबंधन कर रहा है। उसको परिसर के संरक्षण और आवागमन के नियमन का प्रभार सौंपा। अदालत ने यह भी कहा कि मुसलमानों को अब इस स्थल पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी और राज्य सरकार को इसके लिए धार जिले में वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने का निर्देश दिया।

आपको पता है अतीत में हिन्दुओं के धार्मिक स्थानों पर हमला कर कब्जा करना विदेशी आक्रमणकारियों के लिए आम बात थी। उनका लक्ष्य हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाना और उन्हें नीचा दिखाना ही था। स्वतंत्रता के पश्चात चाहिए तो यह था कि भारत सरकार स्वयं आगे आकर देश के बहुमत हिन्दू समाज की भावनाओं का आदर करते हुए आक्रमणकारियों द्वारा तोड़े गए धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को चिन्हित कर उनका पुनरुत्थान करती, लेकिन धर्मनिरपेक्षता की आड़ में जो तुष्टिकरण की नीति सत्ताधारियों ने अपनाई उसके कारण समय बीतने के साथ धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को लेकर देश में तनाव पैदा होने लगा।

समस्या यह है कि मुस्लिम समाज का एक वर्ग अपने आप को विदेशी हमलावरों का वंशज मान हिन्दुओं के विरुद्ध खड़ा होने लगा। परिणामस्वरूप मामले न्यायलयों में जाने लगे। भोजशाला परिसर भी उनमें से एक है। समय की मांग है कि मुस्लिम समाज हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए धार्मिक स्थानों के मामले में उदारता दिखाए और विवादों को संवाद द्वारा सुलझाने को प्राथमिकता दे। यह कदम समाज व देश, दोनों के लिए हितकारी होंगे।

शनिवार को परिसर के नक्काशीदार पत्थर के स्तंभों पर गेंदे के फूलों की मालाएं लटकी हुई थीं। श्रद्धालु नंगे पैर मेहराबों के नीचे कतार में खड़े होकर पूजा कर रहे थे, तस्वीरें ले रहे थे और काले पत्थर के फर्श पर फूलों की पंखुड़ियां बिखेर रहे थे। उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और 'माँ वाग्देवी' की प्रार्थना की। एक गुप्त कक्ष में काली दीवार पर लगी एक नक्काशी के नीचे फूलों को 'ओम' के प्रतीक के रूप में सजाया गया था। हिंदुओं का मानना है कि यहां कभी देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित थी।

रविवार को भोजशाल में भव्य पूजा अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। सुबह 6:30 बजे भक्तों ने मां वाग्देवी के चित्र को गर्भगृह में स्थापित किया। दिनभर हवन-पूजन होगा। धार स्थित भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर यह आदेश पहले ही प्रभावी होना शुरू हो गया है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इसका समर्थन कर रहे हैं। बहरहाल ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को आपसी सद्भाव के साथ थोड़ा दरियादिली दिखाना चाहिए और विवाद को लंबा कानूनी पेचीदगी से बचना चाहिए।

संपादकीय

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू-तू, मैं-मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच-बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोड़? का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है। सोलन की कसौटियां अभी भी नहीं समझीं कि महानगर बनने की आभा को बचाने की कितनी जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों का एक बड़ा युद्ध धर्मशाला में देखा गया। वादे सफेद चादर पर लिखे दाग हो जाएं, तो कौन अपनी चैन को मुगालते में देखेगा। यह इसलिए कि हर पार्टी और पार्टियों की हर सरकार ने शहरों को सियासत का मुर्गा बना दिया। राजनीति प्रभाव से कई सिंह द्वार अगर किसी विधानसभा क्षेत्र की पहचान हैं, तो यह कारनामा सिर्फ प्रचार है। प्रतीक और चिन्ह ढूंढते नेताओं ने हिमाचल की समग्रता को समझा ही नहीं। हर शहर अगर एक आर्थिक केंद्र तथा रोजगार का मंच है, तो विकास की योजनाएं इस आधार को आकार देतीं। हिमाचल के कई कस्बे व शहर अपने वजूद में, पर्यटन की मौलिकता के साथ हाजिर हैं, तो इनका विकास इसी लिहाज से होना चाहिए। कुछ शहर शिक्षा के हब बन रहे हैं, तो कुछ खेल गतिविधियों के केंद्र। कुछ युवा पर्यटकों के आकर्षण में फल फूल रहे, तो कई अन्य आयोजन के कारण मशहूर हैं। किसी शहर के नक्षत्र वहां के मंदिर तय कर रहे हैं, तो योजना अलग-अलग प्रारूप में होनी चाहिएं। क्या चुनाव के बाद मंडी को हम सांस्कृतिक राजधानी की क्षमता में खड़ा कर पाएंगे। क्या पालमपुर अपने परिवेश में चाय के बागीचों के संतुलन से 'पर्यटन सर्किट' का इतिहास लिखेगा।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी



डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर civic sense का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी – हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। ह्स्वच्छ भारत अभियानह्न ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा। हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

बेटे के लिए क्यों नहीं गंदगी पूरे परिवार की, तो सफाई सिर्फ स्त्री की ही क्यों ?

महानगर मेट्रो

बहुत हुई 'कन्या विदाई', अब शुरू करें 'कुमार विदाई' का नया अध्याय!

हमारे समाज में शादी दो आत्माओं का मिलन कम और स्त्री के अस्तित्व की आहुति अधिक बनकर रह गई है। मंडप में गूंजती शहनाइयाँ एक तरफ खुशी का माहौल बनाती हैं, तो दूसरी तरफ एक पिता अपनी पूरी दुनिया किसी अनजान के हाथों में सौंपकर खाली हाथ घर लौटता है। यह विदाई सिर्फ घर बदलने की एक रीत नहीं है, बल्कि एक स्त्री के सपनों और उसकी पहचान पर 'परंपरा' का ठप्पा लगने की शुरुआत है।

आज शिक्षित और आत्मनिर्भर स्त्री शादी करने से डरती है; इसके पीछे कोई पश्चिमी अंधानुकरण नहीं, बल्कि मानसिक गुलामी का डर है। उसे भय है कि जो पंख आसमान नापने के लिए बने थे, उन्हें शादी के पिंजरे में कैद कर दिया जाएगा। उसे शादी से कोई ऐतराज नहीं है, बल्कि शादी के बाद बदलने वाले 'दोहरे मानदंडों' से ऐतराज है।

बेटा देर रात तक बाहर रहे तो वह 'काम' कहलाता है, लेकिन बहू चौखट पार करे तो उसके 'संस्कारों' पर सवाल उठने लगते हैं। कई बार



पति मदद करना भी चाहता है, तो सामाजिक दबाव आड़े आ जाता है। सास-ससुर ही टोक देते हैं 'अजीब बात है, तुम्हारी बहू कोई अकेली नौकरी नहीं करती।' यह मानसिकता बहू को अंदर से तोड़ देती है। अगर गंदगी पूरे परिवार की है, तो सफाई की जिम्मेदारी सिर्फ बहू की ही क्यों? घर के कामों में पुरुष का सहयोग कोई उपकार नहीं, बल्कि सहजीवन (साथ जीने) की बुनियाद है।

बहू की सैलरी अक्सर घर के रोजमर्रा के खर्चों में खर्च हो जाती है, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं रहता। दूसरी तरफ, पति की सैलरी 'सेविंग्स' (बचत) में जाती है, जिससे उसके या उसके माता-पिता के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी जाती है। जिंदगी भर खून-पसीना बहाने वाली बहू के नाम पर एक ईंट भी नहीं होती! और जब वह अपने शौक या मायके के लिए थोड़े पैसे खर्च करती है, तब उसे 'स्वार्थी' मान लिया जाता है।

बेटे को मामूली सर्दी भी हो जाए तो पूरा घर चिंता में डूब जाता है, लेकिन बहू बुखार में तप रही हो तब भी रसोई का धुआं उसी का रास्ता देख रहा होता है। 'हमें बाहर का खाना हजम नहीं होता 'यह कहकर बीमार बहू से काम करवाना संस्कार नहीं, बल्कि मानवता का अभाव है। बहू के शरीर में भी लहू बहता है, वह कोई मशीन नहीं है।

समाज से एक सहृदय अपील

समाज में सभी एक जैसे नहीं हैं। ऐसे बेहतरीन परिवार भी हैं जो बहू को सही मायनों में बेटी मानते हैं। ऐसे पति भी हैं जो पत्नी के करियर के लिए अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। हमारा सवाल उन लोगों से है जो आज भी बहू को सिर्फ एक 'मुफ्त की नौकरानी' या 'कमाने वाली मशीन' समझते हैं।

कुमार विदाई ' सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक नई विचारधारा है। हमें बेटियों को यह विश्वास दिलाना होगा कि ससुराल कोई बंधन नहीं बल्कि एक नया आसमान है।

अगर बहू कमाकर घर की आर्थिक स्थिति सुधारती है, तो परिवार के सदस्यों को भी उसे घर के कामों से मानसिक राहत देनी चाहिए।

बहू के मायके वालों को ताने मारना उसके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुँचाता है।

शादी कोई 'अधिकार' जताने का रिश्ता नहीं है, बल्कि एक-दूसरे के 'समान आदर' का नाम है। जिस दिन बहू को यह अहसास होगा कि इस घर में वह सिर्फ 'सेवा' करने के लिए नहीं, बल्कि 'सम्मान' के साथ जीने के लिए आई है, उस दिन बेटियों को शादी से डर नहीं लगेगा। आइए, बहू को घर की 'लक्ष्मी' मानकर उसके आत्मसम्मान की रक्षा करें, क्योंकि तभी कोई घर सही मायनों में 'मंदिर' बन पाएगा।

दर्शना पटेल-नेशनल मेडलिस्ट,
नेशनल अवार्ड से सम्मानित
(स्पोर्ट्स टीचर)।

लखनऊ में वकीलों के चैंबरों पर चला बुलडोजर... सिविल कोर्ट के बाहर विरोध में उतरे अधिवक्ता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है. यहां सिविल कोर्ट के बाहर वकीलों के चैंबरों पर बुलडोजर चला दिया गया. दूसरी तरफ इस दौरान वकील विरोध में खड़े थे. वकीलों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की. यहां नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची थी और कई चैंबरों को हटाना शुरू कर दिया. मामला पुराने हाई कोर्ट और स्वास्थ्य भवन चौराहे के बाहर बने वकीलों के चैंबरों का है. सुबह नगर निगम और पुलिस की टीम अचानक मौके पर पहुंची. कुछ ही देर में बुलडोजर ने सड़क किनारे बने चैंबरों को तोड़ना शुरू कर दिया. प्रशासन का कहना था कि ये निर्माण अवैध थे और अतिक्रमण हटाने के तहत कार्रवाई की जा रही है.

लेकिन जैसे-जैसे बुलडोजर आगे बढ़ा, विरोध भी तेज हो गया. मौके पर पहुंचे वकीलों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने हाई कोर्ट के आदेश का गलत इस्तेमाल किया. अधिवक्ताओं का कहना है कि अदालत ने केवल 72 चैंबर हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन नगर निगम और पुलिस ने उसी आदेश की आड़ में करीब 240 चैंबर गिरा दिए.

पुराने हाई कोर्ट परिसर के बाहर वर्षों से वकीलों के छोटे-छोटे चेंबर बने हुए थे. इन्हीं में बैठकर अधिवक्ता अपने मुवक्किलों से मिलते और केस से जुड़ा कामकाज करते थे. वकीलों का कहना है कि अचानक कार्रवाई से उनके काम पर असर पड़ा है.

बुलडोजर चलने के दौरान कई वकील विरोध जताने लगे, नारेबाजी हुई, प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन हुआ और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बन गया. हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया.

नगर निगम अधिकारियों ने दावा किया कि कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है और अवैध कब्जा हटाना जरूरी था. लेकिन अधिवक्ताओं का सवाल है कि अगर कोर्ट ने 72 चैंबर हटाने को कहा था, तो उससे तीन गुना ज्यादा ढांचे क्यों गिराए गए? लखनऊ में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब शहर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई जगह बुलडोजर अभियान चल रहा है. फिलहाल कार्रवाई को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है. अधिवक्ताओं ने कहा है कि वे इस कार्रवाई के खिलाफ आगे भी आवाज उठाएंगे. दूसरी तरफ प्रशासन अपनी कार्रवाई को सही बता रहा है. इस कार्रवाई के बाद कोर्ट परिसर के आसपास माहौल तनावपूर्ण बना रहा. वकीलों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा. पुलिस ने मौके पर अतिरिक्त बल तैनात रखा.

दलित किशोर को पानी की बाल्टी छूने पर दी खौफनाक सजा, जूते पर थूककर चटवाया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सचेंडी में प्यासे अनुसूचित जाति के किशोर ने खुद से ऊंची जाति के युवक की पानी की बाल्टी छूआ तो एक युवक ने अपने भाई और दो साथियों के साथ मिलकर किशोर से बर्बरता की।

जानकारी के मुताबिक, जूते पर थूक कर चटवाया फिर उसी जूते में पानी भरकर उसे जबरन पिलाया। यही नहीं उसने निर्वस्त्र कर जमकर पीटा भी। इसके चलते किशोर के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। जब लोग बीचबचाव करने पहुंचे तो उसे छोड़ा। पीड़ित किशोर के पिता की तहरीर पर पुलिस ने चारों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित कई अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीण के मुताबिक, 2 मई की रात किशोर खेत में काम कर रहा था। इस दौरान उसे प्यास लगी। खेत के पास ही एक आरोपी संजय के मकान के सामने सरकारी पानी की टंकी के पास पहुंचा। वहां बाल्टी और जग रखा था। किशोर उससे पानी पीने लगा।

ये है आरोप

आरोप है कि आरोपी संजय, उसके भाई दीपक, साथी सागर और पटिया ने उसे जाति सूचक गालियां देनी शुरू कर दीं। इसके बाद उसके कपड़े उतरवाए और भी मुर्गा बनाया। लाठी-डंडों और लात घूंसों से पीटा। इससे उसका हाथ टूट गया। आरोपी यहीं नहीं रूके। किशोर से जूते पर थूककर चटवाया और उसी जूते से पानी भी पिलाया। यह मंजर देखकर ग्रामीणों की भीड़ लगने लगी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच बीचबचाव कर मामले को शांत करवाया। मौके से आरोपी भाग निकले।

जांच जारी

इस मामले में पीड़ित किशोर के पिता ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कराई है। सचेंडी इंस्पेक्टर दीनानाथ ने कहा कि चार लोगों पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

35 फीट गहरे कुएं में समाई कार, ग्रामीणों की तत्परता से बची 3 युवकों की जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बैतूल। जिले में रविवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा टल गया. जहां तेज रफ्तार कार के ब्रेक फेल होने से वह सड़क किनारे बने गहरे कुएं में जा गिरी. हादसे के समय कार में तीन युवक सवार थे, जो कुएं में फंस गए. हालांकि स्थानीय ग्रामीणों और 108 एम्बुलेंस कर्मियों की तत्परता से तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. फिलहाल तीनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है.

अमरावती के रहने वाले हैं तीनों युवक

जानकारी के अनुसार यह हादसा भैंसदेही थाना क्षेत्र के गुदगांव-धामनगांव मार्ग पर रविवार सुबह करीब चार बजे हुआ. बताया जा रहा है कि कार में सवार तीनों युवक महाराष्ट्र के अमरावती जिले के निवासी हैं और किसी काम से बाहर गए थे. देर रात वे अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान रास्ते में उनकी कार के अचानक ब्रेक फेल हो गए. चालक ने वाहन पर नियंत्रण पाने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित लगभग



35 फीट गहरे कुएं में जा गिरी. कार के कुएं में गिरते ही तेज आवाज हुई, जिसे सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे. लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी. कुछ ही देर में एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई. एम्बुलेंस में मौजूद ईएमटी दीपक बारस्कर और पायलट मोहित चडोकर ने बिना समय गंवाए साहसिक तरीके से कुएं में उतरकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकाला गया. हादसे में घायल युवकों की पहचान राहुल कडू, सत्यम तोमर और कृष्णा मोकडे के रूप में हुई है. तीनों को प्राथमिक उपचार देने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है. डॉक्टरों के मुताबिक सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है.

जांच में जुटी पुलिस

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ग्रामीण और एम्बुलेंस कर्मी मौके पर नहीं पहुंचते तो बड़ा हादसा हो सकता था. कुआं काफी गहरा था और अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में भी काफी दिक्कतें आईं. बावजूद इसके सभी ने मिलकर युवकों की जान बचा ली. घटना के बाद इलाके में कुछ समय तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है.शुरुआती जांच में हादसे की वजह कार के ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है.

चक्में किशोरी से बर्बरता, सिरफिरे ने पेड़ से बांधा, फिर नाजुक अंगों को दांत से काटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में एकतरफा प्यार में पागल युवक की हैवानियत सामने आई है. जहां अपने चाचा के शादी समारोह से देर रात घर जा रही 17 वर्षीय किशोरी को गांव का ही एक युवक एकतरफा प्यार में उसे जबरन खींच ले गया. आरोप है कि युवक ने पहले किशोरी को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा और शादी का दबाव बनाया. विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ हैवानियत करते हुए उसके नाजुक अंगों को अपने मुंह से बेरहमी से काट डाला और लहूलुहान हालत में उसे मौके पर छोड़कर भाग निकला. घटना के बाद किशोरी किसी तरह घायल हालत में घर पहुंची. जिसके बाद उसके परिजन पुलिस के पास लेकर पहुंचे. पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामूली मारपीट में मुकदमा दर्ज करके किशोरी का मेडिकल भी करा दिया. वहीं कोई कार्रवाई न होती देखकर परिजनों ने जब किशोरी के नाजुक



अंगों के साथ हैवानियत का मामला उजागर किया तो पुलिस के भी हाथ पैर फूल गए. फिलहाल पुलिस ने किशोरी को दोबारा मेडिकल के लिए भेजते हुए आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाकर उसे हिरासत में लेने का दावा किया है. किशोरी के साथ हैवानियत का यह मामला बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है. जानकारी के मुताबिक पीड़िता के चाचा की शादी थी. शादी से होने वाले पहले के कार्यक्रमों में किशोरी अपनी मां के साथ 11 मई को गयी थी. परिवार के लोग शादी समारोह में मौजूद थे. तभी किशोरी की मां ने उसे घर भेजा और कहा कि जाकर देखो की बच्चे घर में सो रहे हैं की नहीं. किशोरी देर रात जब अपने घर जा रही थी, तभी गांव के ही अतुल नामक युवक ने किशोरी को जबरन पकड़ लिया और सुनसान स्थान पर खींच ले गया. पीड़िता और उसकी मां के मुताबिक आरोपी युवक काफी समय से लड़की पर बात करने और शादी करने का दबाव बना रहा था. जब किशोरी ने उससे संबंध रखने से इनकार किया तो आरोपी ने उसे डंडों, लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा. आरोप है कि युवक ने किशोरी को रस्सी से बांध दिया और उसके साथ दरिंदगी की और उसके नाजुक अंगों को मुंह से काट डाला. घटना के बाद किशोरी बेहोश हो गई. होश आने पर वह किसी तरह घर की तरफ पहुंची और दरवाजे पर गिर पड़ी. परिजन उसे लेकर पुलिस के पास पहुंचे तो पुलिस ने मामूली मारपीट का मामला दर्ज करके किशोरी का मेडिकल भी करा दिया. मेडिकल में नाजुक अंगों से बेरहमी का कोई उल्लेख ही नहीं किया गया. पीड़िता की मां का आरोप है कि वे लोग ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं

कार से आते थे और उड़ा ले जाते थे गैस सिलेंडर, खरगोन पुलिस ने हाईप्रोफाइल चोर गैंग का पर्दाफाश

हाईप्रोफाइल चोरी: लग्जरी कार से गैस टंकियां चुराने वाले इंदौर के दो शातिर गिरफ्तार। किल्लत का फायदा: वैश्विक तनाव के बीच गैस टंकियों को निशाना बना रहा था गिरोह।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। वैश्विक तनाव के चलते एलपीजी सिलेंडर की किल्लत का फायदा उठाकर खरगोन में गैस टंकियां चुराने वाले एक अनोखे गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। ये शातिर चोर किसी आम साधन से नहीं, बल्कि पुलिस को चकमा देने के लिए लग्जरी कार से चोरी करने निकलते थे।

खरगोन पुलिस ने किया हाईप्रोफाइल चोर गैंग का पर्दाफाश

पिछले कुछ दिनों से ईरान अमेरिका युद्ध के चलते गैस टंकियों की किल्लत के बीच बदमाशों ने भी कमाई का नया तरीका खोज लिया। खरगोन जिले की मेनगांव पुलिस ने ऐसे ही एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इंदौर निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो लग्जरी कार में सवार होकर गांवों और शहरों में गैस टंकियां चोरी करने पहुंचते थे। इनमें एक आरोपी नाबालिग बताया गया है। लग्जरी कार का करते थे इस्तेमाल पुलिस के मुताबिक आरोपित बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देते थे। वे पहले सुनसान या कम भीड़ वाले क्षेत्रों की रेकी करते और फिर मौका मिलते ही घरों से गैस सिलेंडर चुराकर फरार हो जाते। खास बात यह रही कि चोरी के लिए वे लग्जरी कार का इस्तेमाल करते थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो।

गैंग में नाबालिग भी शामिल



मेनगांव थाना प्रभारी एमआर रोमड़े ने बताया कि गत 7 मई को थाना क्षेत्र के सुखपुरी गांव में एक घर से गैस टंकी चोरी होने की शिकायत मिली थी। मामले में पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्धों की पहचान की। जांच के दौरान सामने आया कि इंदौर के लोकनायक नगर छत्रीपुरा निवासी यश पिता राजेश कमले और उसके साथ एक नाबालिग ने वारदात को अंजाम दिया था। निशानदेही पर गैस टंकी और कार बरामद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गैस टंकी और वारदात में इस्तेमाल की गई कार जब्त कर ली गई। वहीं शहर कोतवाली थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने बताया कि इसी दिन आरोपितों ने कोतवाली क्षेत्र से भी दो गैस टंकियां चुराई थीं। अदालत में पेश कर भेजा जेल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों ने जिले के अन्य इलाकों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं। लगातार बढ़ती गैस टंकी चोरी की घटनाओं के बीच इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को आज अदालत के सामने पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

13 साल के बच्चे की तालाब में डूबने से मौत... दोस्तों के साथ गया था नहाने



महानगर मेट्रो ब्यूरो

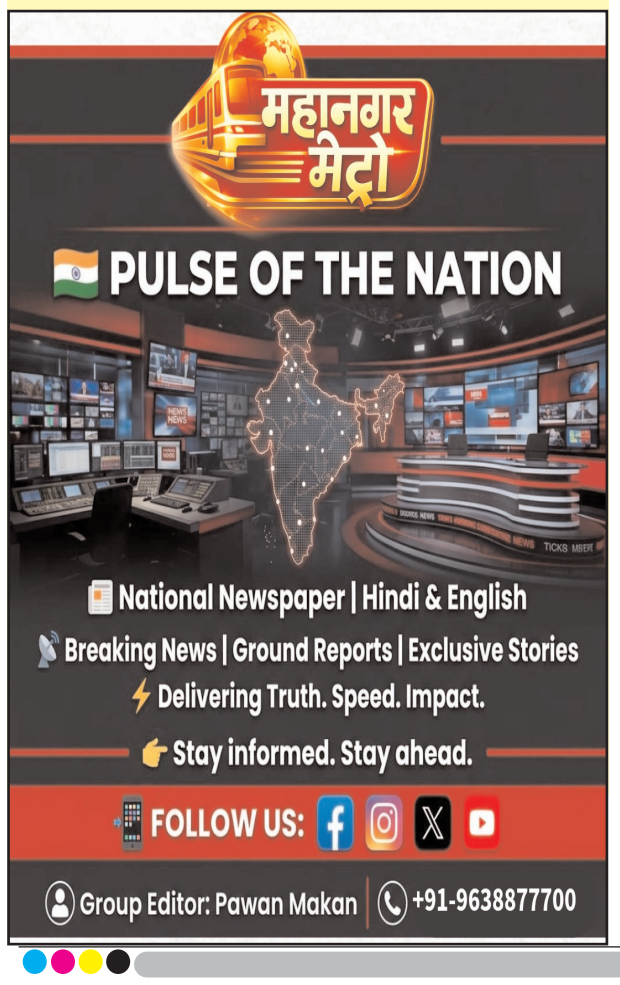
लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखनऊ में एक 13 साल के किशोर की तालाब में डूबने से मौत की खबर सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, वह किसान पथ किनारे बने तालाब में नहाने गया था. मृतक अपने छोटे भाई और दोस्तों के साथ तालाब में नहा रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. इसके बाद जब बच्चे शोर मचाने लगे तो स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी. मौके पर इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे. फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया. बाद में एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया. तालाब में जलकुंभी अधिक होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कत आई और किशोर को तलाशने में करीब दो घंटे का समय लगा. एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद किशोर को तालाब से बाहर निकाला और तुरंत पीजीआई अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान जितेंद्र कुमार पुत्र राकेश निवासी ग्राम सभा खेड़ा कल्ली पश्चिम, लखनऊ के रूप में हुई. वह सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट हाई स्कूल में कक्षा 7 का छात्र था. मृतक के पिता राकेश ने बताया कि परिवार में चार बेटियों अनीता, सुजीता, विनिता और निधि के बाद दो बेटे जितेंद्र और मनीष हैं. जितेंद्र परिवार में पांचवें नंबर पर था. शनिवार सुबह दोनों भाई स्कूल गए थे. लौटने के बाद खाना खाकर जितेंद्र अपने छोटे भाई मनीष और दोस्तों के साथ तालाब में नहाने चला गया था, जहां यह हादसा हो गया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

शादीशुदा महिला को किया प्रपोज, शादी का दबाव बनाया, इनकार किया तो सोते समय फेंका एसिड



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। उत्तरप्रदेश के बरेली के शेरगढ़ इलाके में खौफनाक घटना सामने आई है. यहां एक व्यक्ति ने शादीशुदा महिला को प्रपोज किया, उस पर शादी का दबाव बनाया. जब महिला ने इनकार कर दिया तो आरोपी बौखला गया. उसने रात में घर में घुसकर सोते समय परिवार पर एसिड फेंक दिया. इस घटना में महिला महिला, उसका पति और दो बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए. बरेली में एक व्यक्ति ने मैरिज प्रपोजल ठुकराए जाने पर महिला और उसके परिवार पर सोते समय तेजाब फेंक दिया. इस हमले में महिला, उसके पति और दो बच्चे घायल हो गए. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. ये घटना शेरगढ़ इलाके की है. गर्मी का मौसम था, रात काफी उमस भरी थी, तो एक परिवार अपने घर के अंदर नहीं, बल्कि बरामदे में सो रहा था. मच्छरदानी लगी हुई थी, बच्चे साथ थे, पति-पत्नी भी वहीं थे. सब कुछ सामान्य सा लग रहा था... लेकिन रात में जो हुआ, वो बेहद खौफनाक था. पुलिस के मुताबिक, एक शख्स जिसका नाम उमेश कश्यप बताया जा रहा है, घर की छत के रास्ते अंदर घुसा. उसने चुपके से एंट्री की और फिर अचानक हमला कर दिया. आरोप है कि उसने सोते हुए परिवार पर मच्छरदानी के ऊपर से एसिड फेंक दिया. अटैक होते ही परिवार चीख पड़ा. इस हमले में महिला, उनके पति और दो छोटे बच्चे झुलस गए. चारों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया. शुरुआती इलाज यूपी पुलिस की निगरानी में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ, जहां से एक गंभीर घायल को जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा. पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी उमेश कश्यप, महिला से शादी करना चाहता था. महिला ने उसके प्रपोजल पर साफ तौर पर मना कर दिया था. आरोपी शादीशुदा है, लेकिन इसके बावजूद वह महिला पर शादी के लिए दबाव बना रहा था. सुबह करीब 6 बजे पुलिस को घटना की सूचना मिली. जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे, बयान लिए, सबूत जुटाए और FIR दर्ज कर दी गई. लेकिन आरोपी तब तक फरार हो चुका था. अब पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में लगी हुई हैं. लोगों का कहना है कि आरोपी काफी समय से महिला को परेशान कर रहा था. बार-बार दबाव बना रहा था, और जब बात नहीं बनी तो उसने यह खतरनाक कदम उठा लिया. फिलहाल पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.



हाथ मरोड़ा, जमीन पर पटका और दांत तोड़ दिए...नायब तहसीलदार पर पति की हैवानियत, सरकारी लैपटॉप और गहने छीनकर भागा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले से एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है, जो यह साबित करता है कि प्रशासनिक पद पर बैठी देश की सशक्त महिलाएं भी घरेलू हिंसा और प्रताड़ना का शिकार हो रही हैं। गुना में पदस्थ नायब तहसीलदार आरती गौतम ने अपने ही पति विजेंद्र उचाड़िया के खिलाफ कैंट थाने में मारपीट, प्रताड़ना और लूटपाट का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि सिरफिरे पति ने महिला अधिकारी के साथ बेरहमी से मारपीट की, उनका मुंह और हाथ मरोड़ दिया, मोबाइल तोड़ डाला और सरकारी काम में इस्तेमाल होने वाला विभागीय लैपटॉप व सोने-चांदी के जेवरात छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता नायब तहसीलदार आरती गौतम ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में दिल दहला देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी शादी 21 जनवरी 2020 को मुरैना निवासी



विजेंद्र उचाड़िया के साथ हुई थी। शादी के अगले ही दिन जब वे ससुराल पहुंचीं, तो देवर से सामान्य बातचीत करने पर पति ने उन्हें गंदी गालियां दीं। हद तो तब हो गई जब शादी की पहली रात को ही आरोपी पति ने गुस्से में सारे गिफ्ट्स फेंक दिए और ताना मारते हुए कहा कि 'तुझे तो कोई नौकरी वाला पति चाहिए था'।

गुना में नायब तहसीलदार पर पति का कहर

शादी की पहली रात से मिल रहे थे ताने बेरहमी से पीटकर छीने गहने और सरकारी लैपटॉप तहसीलदार पत्नी की पूरी सैलरी छीन लेता था दहेज के रूप में और पैसों की मांग कर रहा था समाज और बच्चों के भविष्य के डर से पीड़िता अब तक चुप थी पूरी सैलरी छीन लेता था आरोपी, मायके जाने पर भी लगाई थी पाबंदी आरती गौतम के मुताबिक, जब उनकी पोस्टिंग भिंड जिले में हुई, तब भी पति का अत्याचार कम नहीं हुआ। आरोपी पति जबरन उनकी पूरी सैलरी और उन्हें होली-दीवाली जैसे बड़े त्योहारों पर भी मायके जाने की इजाजत नहीं थी। आरोपी लगातार यह कहकर प्रताड़ित करता था कि 'तेरे बाप ने दहेज में कुछ नहीं दिया, वहां से और पैसे लेकर आ'। इसके अलावा इंदौर के एक हॉस्टल का लोन चुकाने के लिए भी वह लगातार रुपयों की डिमांड कर रहा था। पदस्थ नायब तहसीलदार ने पति पर मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना देने के आरोप लगाए हैं। उनके पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है मानसिंह ठाकुर एएसपी, गुना बच्चों की खातिर सहती रही जुल्म, गुना आते ही टूट गया सब ट्रांसफर होने के बाद जब नायब तहसीलदार गुना आईं, तो पति यहां भी उनके साथ रहने लगा।

रायसेन के जंगलों में मिले 1000 साल पुराने पैरों के निशान, जैन मुनि के मोक्ष गमन का मार्ग होने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के जामगढ़ जंगलों में पुरातत्वविदों को एक हजार साल पुरानी पत्थरों पर खुदे पदचिह्नों की दुर्लभ पगडंडी मिली है। लगभग 800 मीटर लंबे इस रास्ते के पास मिले परमार कालीन शिलालेखों से संकेत मिलते हैं कि यह किसी महान जैन संत के मोक्ष गमन का मार्ग हो सकता है। रायसेन जिला एक बार फिर देश के पुरातात्विक नक्शे पर चमक उठा है। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज की भोपाल शाखा की पुरातत्वविद नैन्सी शर्मा और उनके सहयोगी मिलनाथ पेटले ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जामगढ़ गांव के घने जंगलों में एक अद्भुत खोज की है। पथरीले इलाकों के बीच करीब 800 मीटर के दायरे में फैले पत्थरों पर इंसानी पैरों के निशानों की एक पूरी पगडंडी उकेरी हुई मिली है। हालांकि, समय की मार और मानवीय हस्तक्षेप के कारण कुछ पदचिह्न थोड़े धुंधले पड़ गए हैं, लेकिन अधिकांश



हिस्से आज भी पूरी तरह सुरक्षित और स्पष्ट नजर आते हैं।

शिलालेखों ने खोला परमार कालीन इतिहास का राज

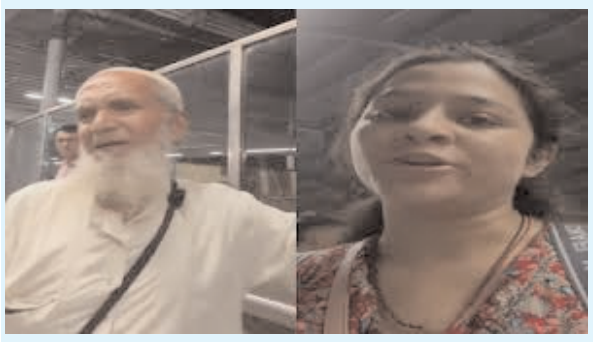
इस खोज को ऐतिहासिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक बनाने का काम वहां मिले दो पंक्तियों के एक प्राचीन शिलालेख ने किया है। पहले प्रमुख पदचिह्न के ठीक बगल में उकेरे गए इस शिलालेख में 'आर', 'सिद्ध', 'पद', 'पंडित' और 'कृत' जैसे विशिष्ट शब्द लिखे हैं।.स्ट्रू के पूर्व पुरालेख निदेशक रवि शंकर ने इसकी जांच कर पुष्टि की है कि यह शिलालेख 10वीं-11वीं शताब्दी के परमार राजवंश के काल का है और इसमें शुरुआती नागरी लिपि के अक्षरों का इस्तेमाल किया गया है। यह पूरा क्षेत्र कभी परमार साम्राज्य का एक प्रमुख हिस्सा हुआ करता था।

जैन संत के मोक्ष समाधि की ओर बढ़ने का अनुमान

परमार इतिहास के विशेषज्ञ रमेश यादव और प्राचीन जैन इतिहास के जानकार अरविंद जैन के मुताबिक, 10वीं और 11वीं शताब्दी के दौरान मध्य प्रदेश में जैन संस्कृति का व्यापक विस्तार था, जिसका उदाहरण भोजपुर के पास बने जैन मंदिर भी हैं। शिलालेख में प्रयुक्त 'सिद्ध' और 'पंडित' जैसे शब्द किसी परम ज्ञानी और उच्च आध्यात्मिक स्तर के जैन मुनि की ओर इशारा करते हैं। सबसे खास बात यह है कि ये पदचिह्न गुफाओं से लगभग 600 मीटर की दूरी पर जाकर अचानक समाप्त हो जाते हैं, जिससे प्रबल संभावना जताई जा रही है

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

'जो करना है कर लो...', दिल्ली मेट्रो की लिफ्ट में महिलाओं के सामने पेशाब करने लगा बुजुर्ग, VIDEO



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मेट्रो के अंदर से आए दिन अजीबोगरीब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं. अब ऐसा ही एक मामला कालकाजी मेट्रो स्टेशन से सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग व्यक्ति का लिफ्ट के अंदर पेशाब करते हुए वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं. कुछ लोग इसे सार्वजनिक जगह पर गलत हरकत बता रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग बुजुर्ग की मेडिकल स्थिति को देखते हुए सहानुभूति जता रहे हैं.

पेशाब तो कर दिया हूं, जो करना है कर लो: बुजुर्ग

वायरल वीडियो में एक महिला बुजुर्ग से सवाल करती नजर आ रही है. महिला कहती है कि 'आप लिफ्ट के अंदर पेशाब क्यों कर रहे हैं?' इस पर बुजुर्ग जवाब देते हैं, 'जो करना है करो...' वीडियो में महिला यह भी पूछती दिखाई दे रही है कि क्या उन्हें अपनी गलती का एहसास नहीं है. इस दौरान वहां मौजूद कुछ अन्य लोग भी हैरानी जताते नजर आए. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया. इसके बाद दिल्ली मेट्रो पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की. मेट्रो डीसीपी बी. भारत रेड्डी ने बताया कि यह घटना 15 मई की रात करीब 9:40 बजे की है. बुजुर्ग व्यक्ति जामिया नगर मेट्रो स्टेशन से फरीदाबाद की ओर यात्रा कर रहे थे और उन्हें कालकाजी स्टेशन पर मेट्रो लाइन बदलनी थी. डीसीपी के मुताबिक, इसी दौरान बुजुर्ग को अचानक पेशाब लग गई. उन्होंने आसपास टॉयलेट तलाशने की कोशिश की, लेकिन उन्हें समय पर शौचालय नहीं मिला. इसके बाद उन्होंने लिफ्ट में बोतल के जरिए पेशाब करना शुरू कर दिया. तभी वहां कुछ महिलाएं भी पहुंच गईं और उन्होंने वीडियो बना लिया.

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं बुजुर्ग

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बुजुर्ग व्यक्ति स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं और उन्हें पेशाब कंट्रोल करने में दिक्कत होती है. बताया गया कि वह अक्सर अपने साथ बोतल भी रखते हैं. इसी मेडिकल स्थिति को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया. हालांकि सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की हरकत करने के कारण डीएमआरसी एक्ट के तहत उन पर जुर्माना लगाया गया है. फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोग इसे लेकर बहस कर रहे हैं कि सार्वजनिक जगहों पर ऐसी घटनाओं से कैसे निपटा जाए. खासकर तब जब मामला किसी बुजुर्ग की स्वास्थ्य समस्या से जुड़ा हो.

FIR बिना बैंक खाता फ्रीज नहीं किया जा सकता, दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा आदेश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि बैंक खाता किसी व्यक्ति के आर्थिक अस्तित्व का मूल आधार है और खाताधारक के खिलाफ कोई आरोप, प्राथमिकी (एफआईआर) या न्यायिक आदेश न होने पर उस खाते पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने गुजरात साइबर क्राइम पुलिस की शिकायत पर एक निजी बैंक में एक व्यक्ति के खाते पर रोक लगाने (फ्रीज) से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। यह रोक नवंबर, 2024 में लगाई गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या कहा?

उच्च न्यायालय ने बैंक को खाते पर लगी रोक 'तत्काल प्रभाव से हटाने' का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को किसी अपराध से जोड़ने वाला कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, लिहाजा उसके खाते पर रोक लगाना पूरी तरह मनमाना था और कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकता। अदालत ने चार मई के अपने आदेश में कहा कि गुजरात पुलिस की ओर से कोई ठोस आधार प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण खाते को लगातार जब्त रखना उचित नहीं है।

बिना किसी एफआईआर के अकाउंट फ्रीज करना गलत

न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता का खाता फ्रीज होने से उसका पैसा अटका हुआ है, जबकि उसके खिलाफ न कोई आरोप है, न एफआईआर और न ही कोई न्यायिक आदेश। बिना किसी उचित आधार के खाता फ्रीज करना जीवन के अधिकार में बाधा उत्पन्न करता है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि संबंधित एजेंसी द्वारा किसी भी जांच या पूछताछ में वह पूरा सहयोग करे। पैसे निकालने पर रोकः आप एटीएम से कैश नहीं निकाल सकते लेन-देन बंदः यूपीआई , नेट बैंकिंग और चेक के जरिए किसी को पैसे ट्रांसफर नहीं कर सकते ऑटो-डेबिट फेलः अगर कोई किस्त या बिल कटने का समय है, तो वह ट्रांजैक्शन फेल हो जाएगा पैसा जमा कर सकते हैंः ज्यादातर मामलों में, फ्रीज अकाउंट में बाहर से पैसे जमा हो सकते हैं, लेकिन आप उन्हें खर्च नहीं कर सकते

मनोरी प्रोजेक्ट बुझाएगा मुंबई की प्यास, समुद्र से दो टनलों के जरिए आएगा पानी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई की बढ़ती आबादी की पानी की मांग को पूरा करने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका मलाड-मनोरी में एक डिसेलिनेशन प्लांट बनाने जा रहा है। जो समुद्र के पानी को पीने लायक पानी में बदलेगा। केंद्र सरकार ने आखिरकार इस प्रोजेक्ट के लिए जरूरी कोस्टल रेगुलेशन जोन मंजूरी दे दी है। इस बात की पुष्टि करने वाला एक आधिकारिक पत्र 11 मई को जारी किया गया। इसके चलते इस बड़े प्रोजेक्ट का असली निर्माण कार्य आने वाले मॉनसून के बाद जोर पकड़ सकता है। कोस्टल रेगुलेशन जोन मंजूरी मिलने के बाद महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मैरीटाइम बोर्ड से मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि नगर निगम को अगले आठ से दस दिनों के भीतर ये मंजूरियां मिल जाने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट पांच नगर निगम वार्डों के लोगों की प्यास बुझाने के लिए तैयार है। समुद्र के पानी को ताजे पानी में बदलना मुंबई को अभी सात जलाशयों–तानसा, मोदक सागर, मिडिल वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी से रोजाना 4,000 मिलियन लीटर (400 करोड़ लीटर) पानी की सप्लाई मिलती है।

महाराष्ट्र में फिर सुलग सकता है आंदोलन, मनोज जरांगे का सरकार को 29 मई तक का अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। में मराठा आरक्षण की आग एक बार फिर सुलगने लगी है. मराठा आंदोलन के प्रमुख चेहरा मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है. जरांगे पाटिल ने अपनी अधूरी मांगों को लेकर महाराष्ट्र सरकार को 29 मई तक का अल्टीमेटम दिया है और साफ कहा है कि अगर तय समय में कार्रवाई नहीं हुई, तो वे 30 मई से जालना जिले के अंतरवाली सराती गांव में फिर से बेमियादी आमरण अनशन शुरू कर देंगे. मनोज जरांगे पाटिल ने राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का गंभीर आरोप लगाते हुए सीधे उपमुख्यमंत्री को घेरा. उन्होंने कहा, 'पहले मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी जाति के प्रमाण पत्र मिल रहे थे, लेकिन अब सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को ठप कर दिया है. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस काम को रुकवाया है. जब हमारे लोग हैदराबाद गजट के अनुसार सर्टिफिकेट मांगते हैं, तो अधिकारी कहते हैं कि उन्हें सरकार की तरफ से आगे सर्टिफिकेट न देने के निर्देश मिले हैं. ' जरांगे पाटिल ने सरकार



से मांग की कि सातारा, औंध और अन्य गजट को तुरंत लागू किया जाए, पहले से जारी प्रमाण पत्रों को वैधता दी जाए और पिछले आंदोलनों के दौरान मराठा प्रदर्शनकारियों पर दर्ज हुए पुलिस केस वापस लिए जाएं.

विखे पाटिल बोले- मैं हटने को तैयार

आंदोलनकारी नेता ने सरकार की मराठा आरक्षण उप-समिति पर भी निशाना साधा और इसे तुरंत भंग करने की मांग की. उन्होंने आरोप लगाया कि इस कमेटी ने मराठा समुदाय के लिए कुछ नहीं किया. इसके साथ ही उन्होंने मराठा और कुनबी समुदाय के लिए एक अलग मंत्रालय बनाने की मांग उठाई. जरांगे के इस हमले के बाद इस उप-समिति के अध्यक्ष और राज्य के कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा, 'मैं इस पद से चिपके रहने का शौकीन नहीं हूं. अगर मेरे इस्तीफे देने से मराठा आरक्षण का मुद्दा हल हो सकता है और प्रदर्शनकारी संतुष्ट होते हैं, तो मैं अपना पद छोड़ने के लिए तैयार हूं. हमारी कमेटी ने हमेशा आंदोलन का सम्मान किया है और काम में तेजी लाई है. '

नए सरकारी नियम और 'सारथी' पर उठाए सवाल

जरांगे पाटिल ने सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए उस नियम की भी आलोचना की, जिसमें आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को ओपन कैटेगरी की सीटों पर दावा करने से रोका गया है. उन्होंने कहा कि सरकार ने यह फैसला तब लिया जब ओबीसी वर्ग हमारी सीटों को खा चुका है.

गर्लफ्रेंड को खुश करना था... उसके बर्थडे पर मां के जेवरात बेचकर दी शानदार पार्टी, खरीदे महंगे गिफ्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के लड़के को अपनी गर्लफ्रेंड का बर्थडे खास बनाना था. ऐसा कि गिफ्ट भी महंगा हो, पार्टी भी शानदार हो और तस्वीरें देखकर हर कोई कहे- वाह! लेकिन दिक्कत सिर्फ एक थी, जेब में उतने पैसे नहीं थे. फिर उसने जो रास्ता चुना, उसने हैरान कर दिया. युवक ने अपनी मां के गहने चुराए, उन्हें बेचा और गर्लफ्रेंड का जन्मदिन धूमधाम से मना डाला. फिर कहानी पुलिस स्टेशन तक पहुंच गई. मुंबई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड का बर्थडे स्पेशल बनाने के लिए अपनी मां के गहने चोरी कर लिए. उसने लाखों रुपये के गहने चुराए, उन्हें बेच दिया और उस पैसे से गर्लफ्रेंड के लिए पार्टी, शॉपिंग और महंगे गिफ्ट खरीदे. आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में है. युवक को अपनी गर्लफ्रेंड का बर्थडे खास बनाना था, सरप्राइज देना था, खर्चा भी बड़ा करना था. लेकिन जेब में उतने पैसे नहीं थे. फिर जो रास्ता चुना गया, उसने पूरे परिवार को चौंका दिया. पुलिस का कहना है कि युवक ने अपनी मां के गहने चुरा लिए. घर में रखे लाखों रुपये के जेवर उसने चुपचाप निकाल लिए और उन्हें बेच दिया. जो पैसा मिला, उससे गर्लफ्रेंड के लिए महंगे गिफ्ट खरीदे, पार्टी रखी और दोस्तों के साथ जमकर खर्च किया.



कहानी तब सामने आई, जब युवक की मां को घर में रखे गहने नहीं मिले. पहले उन्होंने सोचा कि शायद कहीं रखकर भूल गई होंगी, लेकिन काफी तलाश के बाद जब जेवर नहीं मिले, तो मामला पुलिस तक पहुंचा. शिकायत दर्ज कराई गई और जांच शुरू हुई. जांच के दौरान पुलिस को घर के बाहर चोरी के कोई निशान नहीं मिले. न ताला टूटा था, न जबरन घुसने के सबूत. यहीं से शक घर के किसी सदस्य पर गया. पुलिस ने परिवार के लोगों से पूछताछ शुरू की और धीरे-धीरे शक बेटे पर टिक गया. जब उससे सख्ती से पूछताछ हुई, तो पूरी कहानी सामने आ गई. बताया गया कि गर्लफ्रेंड का जन्मदिन आने वाला था और वह उसे खास बनाना चाहता था. पैसे की कमी थी, लेकिन खर्च बड़ा करना था. इसी वजह से उसने घर से मां के गहने निकाल लिए. फिर उन्हें अलग-अलग जगह बेचकर पैसे जुटाए. इन पैसों से उसने सिर्फ गिफ्ट ही नहीं खरीदे, बल्कि जन्मदिन पार्टी भी की. दोस्तों के साथ जश्न मनाया, खरीदारी की और पैसे खुले हाथ से खर्च किए. यानी एक दिन के सेलिब्रेशन में लाखों खर्च कर डाले. मुंबई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. अब पुलिस यह पता लगा रही है कि उसने गहने किन लोगों को बेचे. जिन दुकानों या लोगों ने गहने खरीदे, उनसे भी पूछताछ की जाएगी. यह भी जांच हो रही है कि कहीं इस काम में कोई और तो शामिल नहीं है. मुंबई की इस घटना की सोशल मीडिया पर भी चर्चा हो रही है. कुछ लोग इसे 'प्यार में पागलपन' कह रहे हैं. फिलहाल युवक पुलिस हिरासत में है.

महाराष्ट्रः उल्हासनगर में महिलाओं को अर्धनग्न कर पहनाई चप्पलों की माला, 2 किमी तक सड़क पर घुमाया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर से इंसानियत को तार-तार और कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाली एक बेहद सनसनीखेज व अमानवीय घटना सामने आई है. उल्हासनगर कैंप-3 इलाके में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की रंजिश को लेकर दबंगों ने एक ही परिवार की महिलाओं के साथ हैवानियत की. पीड़ित महिलाओं के सरेराह बाल काटे गए, उनके कपड़े फाड़कर उन्हें अर्धनग्न किया गया और गले में जूतों-चप्पलों की माला डालकर करीब दो किलोमीटर तक सड़क पर उनका जुलूस निकाला गया. इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में भारी आक्रोश है. स्थानीय सूत्रों और पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, यह पूरा विवाद उल्हासनगर के वाघरी नगर इलाके का है. कुछ समय पहले स्थानीय जात पंचायत ने एक तुगलकी फरमान सुनाते हुए एक पीड़ित परिवार के लोगों का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था और उनके मंदिर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी. लेकिन यह परिवार इस सामाजिक अन्याय के आगे झुकने को तैयार नहीं था. घटना वाले दिन परिसर के मंदिर में एक धार्मिक कार्यक्रम और भंडारे का आयोजन था. पीड़ित परिवार के एक युवक ने इस पाबंदी का विरोध करते हुए कहा, 'हमारा क्या कसूर है, हम



मंदिर क्यों नहीं आ सकते?' और वह मंदिर परिसर में पहुंच गया. युवक का मंदिर जाना वहां मौजूद वाघरी समुदाय के कुछ रसूखदार लोगों को नागवार गुजरा.

घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला

युवक के कदम से भड़के आरोपियों ने लाठी-डंडों के साथ पीड़ित परिवार के घर पर धावा बोल दिया. घर के पुरुषों को बेरहमी से पीटने के बाद आरोपियों ने परिवार की महिलाओं को भी निशाना बनाया. आरोपियों ने जाते-जाते धमकी दी कि अगर पुलिस के पास गए तो अंजाम और भी बुरा होगा. शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे, फरियादी कांता प्रेम राजपूत (50), अपनी बहन गीता राजपूत और बेटी अंजलि के साथ इस हमले की शिकायत दर्ज कराने 'मध्यवर्ती पुलिस थाने' जा रही थीं. तभी रास्ते में हडकमाता चौक के पास आरोपियों ने उन्हें घेर लिया. इसके बाद आरोपियों ने महिलाओं को बीच सड़क पर घसीटा, उनके कपड़े फाड़कर उन्हें अर्धनग्न कर दिया और कैंची से उनके बाल काट दिए.

तमाशबीन बने रहे लोग, बनाते रहे वीडियो

इतने से भी जब मन नहीं भरा, तो पीड़ितों के गले में जूतों-चप्पलों की माला डाल दी गई और करीब दो किलोमीटर दूर विठ्ठलवाड़ी स्टेशन परिसर तक सड़क पर उनका अपमानजनक जुलूस निकाला गया. इस दौरान आरोपियों ने पीड़ितों को कई लोगों के पैर छूने के लिए भी मजबूर किया. इस पूरी बर्बरता के दौरान सड़क पर भारी भीड़ मौजूद थी, लेकिन कोई भी एक इंसान उन बेबस महिलाओं की मदद के लिए आगे नहीं आया. लोग मूकदर्शक बने रहे और मोबाइल से वीडियो बनाते रहे. अपमान और दर्द से कराहता हुआ पीड़ित परिवार जब विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन पहुंचा, तो आरोप है

मुंबई एयरपोर्ट पर DRI की बड़ी कार्रवाईः 13.2 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार

लिक्विड कोकीन की तस्करीः इथियोपिया से आई महिला यात्री के बैग से 1.575 किलो ड्रग्स बरामद। पेट में छिपाया मौत का सामानः अफ्रीकी पुरुष यात्री के पेट से निकाले गए कोकीन से भरे 70 कैप्सूल।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एयरपोर्ट पर डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.2 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त कर दो विदेशी यात्रियों को गिरफ्तार किया है. एक महिला यात्री के बैग से 1.575 किलो लिक्विड कोकीन मिली, जबकि एक पुरुष यात्री के पेट से 70 कैप्सूल बरामद हुए हैं. कुल 2.659 किलो ड्रग्स जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है.

मुंबई में बड़ी ड्रग्स तस्करी का मामला सामने आया है, जहां राजस्व खुफिया निदेशालय ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अलग-अलग कार्रवाई में 13.2 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की है. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दोनों मामलों में दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ जारी है.

डीआरआई अधिकारियों को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई. पहली कार्रवाई में अदीस अबाबा (इथियोपिया की राजधानी) से आई एक महिला यात्री को रोका गया. जांच के दौरान उसके सामान से आठ पाउच में



छिपाकर रखी गई 1.575 किलोग्राम तरल कोकीन बरामद हुई.

अधिकारियों के मुताबिक जब्त की गई यह कोकीन अवैध बाजार में करीब 7.875 करोड़ रुपये की बताई जा रही है. बरामदगी के बाद महिला यात्री को तुरंत हिरासत में ले लिया गया. दूसरे ऑपरेशन में निगली हुई कैप्सूल से बरामद हुई कोकीन

दूसरे ऑपरेशन में एक अफ्रीकी पुरुष यात्री को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पकड़ा गया. जांच के दौरान पता चला कि उसने कोकीन से भरी कैप्सूल निगल रखी थीं. मेडिकल निगरानी में उसे रखा गया, जहां उसने कुल 70 कैप्सूल बाहर निकालीं.

इन कैप्सूल से कुल 1.084 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 5.42 करोड़ रुपये बताई गई है. इस बरामदगी के बाद आरोपी को भी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई.

दोनों मामलों में कार्रवाई छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की गई.

NDPS एक्ट के तहत गिरफ्तारी, नेटवर्क की जांच जारी डीआरआई अधिकारियों के अनुसार दोनों यात्रियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है. दोनों से पूछताछ कर ड्रग्स तस्करी के बड़े नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है.

कुल मिलाकर डीआरआई ने इन दो अलग-अलग ऑपरेशन में 2.659 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी कुल कीमत 13.295 करोड़ रुपये आंकी गई है. अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है.

दिल्लीः 17वें जन्मदिन पर बुझ गया घर का चिराग, दोस्त ने ही चाकू से गोदकर ले ली जान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरेला। दिल्ली के नरेला इलाके में 17 वर्षीय किशोर की उसके जन्मदिन पर ही चाकू मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस के मुताबिक शुक्रवार शाम कुरेनी गांव में दोस्त के साथ हुए विवाद के बाद आरोपी ने किशोर की गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया. घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

दिल्ली के नरेला इलाके में 17 साल के एक किशोर की उसके जन्मदिन पर ही चाकू मारकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. इस घटना के बाद इलाके में दहशत और गम का माहौल है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने मामले में एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है और हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है.

घटना से गम में बदली बर्थडे की खुशियां

जानकारी के मुताबिक मृतक किशोर 15 मई को 17 साल का हुआ था और शुक्रवार शाम वह अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रहा था. परिवार के लोगों ने बताया कि घर में जन्मदिन को लेकर खुशी का माहौल था, लेकिन कुछ ही घंटों में यह खुशी मातम में बदल गई. बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम कुरेनी गांव इलाके में किशोर का अपने एक दोस्त के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर किशोर पर चाकू से हमला कर दिया. आरोपी ने किशोर की गर्दन के पीछे चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा.

घटना की सूचना पुलिस को PCR कॉल के जरिए मिली. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और खून से लथपथ हालत में पड़े किशोर को तुरंत सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल पहुंचाया गया. हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटनास्थल और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर पुलिस ने एक नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया. पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है.

आरोपी ने पीड़ित परिवार पर भी की हमले की कोशिश

मृतक के परिवार ने आरोपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. परिवार का कहना है कि हत्या के बाद भी आरोपी का गुस्सा शांत नहीं हुआ और वह देर रात चाकू लेकर उनके घर पहुंच गया. उस समय परिवार के लोग किशोर की मौत का मातम मना रहे थे. आरोप है कि आरोपी ने परिवार वालों को भी धमकाने और हमला करने की कोशिश की. हालांकि शोर मचाने पर वह मौके से फरार हो गया. इस घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश है. स्थानीय लोग आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है.

दिल्ली में पुलिसवाले अब करेंगे मेट्रो-बस का सफर, PM मोदी की अपील के बाद मेमोरेंडम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद दिल्ली पुलिस ने भी इससे जुड़ा ऑफिस मेमोरेंडम जारी कर दिया है। डीसीपी (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) आलाप पटेल की ओर से सभी जिलों, यूनिट्स और सीनियर अफसरों को सरकारी गाड़ियों के इस्तेमाल में कटौती और ईंधन की खपत कम करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें डाक बाइक समेत सरकारी गाड़ियों की गैर जरूरी आवाजाही रोकने, कारपूलिंग बढ़ाने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने को कहा गया है।

एक ही गाड़ी में सफर करने के निर्देश

पुलिस हेडक्वॉर्टर और उन ऑफिसों में तैनात स्टाफ को जहां मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध है, रोजाना आने-जाने के लिए मेट्रो और बसों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। एक ही थाने, सब-डिवीजन या यूनिट के जांच अधिकारी और अन्य स्टाफ अगर एक ही कोर्ट या ऑफिस जा रहे हों तो उन्हें अलग-अलग गाड़ियों की बजाय एक ही गाड़ी में सफर करने को कहा गया है।

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग को प्राथमिकता

सभी तरह की बैठकें विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि गैर जरूरी गाड़ियों का इस्तेमाल रोका जा सके। VIP और VVIP मूवमेंट में भी न्यूनतम जरूरी गाड़ियों की तैनाती को कहा गया है। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि सुरक्षा और प्रोटोकॉल से किसी तरह का समझौता नहीं होगा।

तेल संकट के बीच दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार का बड़ा फैसला, एयरलाइंस और यात्रियों को राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वैश्विक ईंधन संकट के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक में एविएशन सेक्टर को बड़ी राहत देने वाला अहम फैसला लिया गया। दिल्ली सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर लगने वाले वैल्यू एडेड टैक्स को 25 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से दिल्ली देश के प्रमुख एविएशन हब के रूप में और मजबूत होगी। सरकार के अनुसार, ATF एयरलाइन कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का बड़ा हिस्सा होता है। VAT में कटौती से एयरलाइंस की ईंधन लागत कम होगी, जिससे उन्हें परिचालन में राहत मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ानों की संख्या बढ़ सकती है और भविष्य में यात्रियों को टिकट कीमतों में भी राहत मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार निवेश, व्यापार और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए लगातार फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि टैक्स कम करने का उद्देश्य दिल्ली को अधिक प्रतिस्पर्धी और बिजनेस फ्रेंडली बनाना है। सरकार का मानना है कि इससे एयरलाइन कंपनियां दिल्ली को अपने ऑपरेशन बेस के तौर पर ज्यादा प्राथमिकता देंगी। विएशन विशेषज्ञों के मुताबिक, कई राज्यों में पहले से ही ATF पर कम टैक्स दरें लागू हैं, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां वहां से ईंधन भरवाने को प्राथमिकता देती थीं। ऐसे में दिल्ली सरकार का यह फैसला राजधानी की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को मजबूत करेगा। माना जा रहा है

वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए गांधी भवन शुरू करेगा नए सर्टिफिकेट कोर्स



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. विश्वविद्यालय के शिक्षा जगत से एक बेहद गौरवपूर्ण खबर सामने आ रही है। सूचना एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग के प्रभारी और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक का महत्वपूर्ण कार्यभार संभालने पर विभिन्न प्राध्यापकों और गणमान्य लोगों ने प्रो. केपी सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने प्रो. केपी सिंह का पारंपरिक तरीके से पगड़ी, पटका, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की माला पहनाकर, महात्मा बुद्ध की छोटी प्रतिमा भेंट कर और मिठाई खिलाकर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस दौरान प्रो. हंसराज सुमन ने कहा कि प्रो. केपी सिंह की इस उपलब्धि और उनकी कार्यशैली पर पूरे शिक्षक समुदाय को बेहद गौरव है। बधाई देने वाले इस प्रतिनिधिमंडल में प्रो. हंसराज सुमन के साथ प्रो. मनोज कुमार कैन, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. सुरेंद्र सोलंकी, प्रो. मुकेश बैरवा, प्रो. जय विनोद, डॉ. घनश्याम, मास्टर योगेश सिंह और वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. सिंह के कुशल नेतृत्व की सराहना की। इस दौरान उनके विभाग और कार्यालय की खूबसूरती तथा रचनात्मक व्यवस्था भी आकर्षण का केंद्र बनी रही। जब से प्रो. केपी सिंह ने गांधी भवन के निदेशक का पद संभाला है, तब से गांधी भवन लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुलाकात के दौरान हुई आपसी बातचीत में प्रो. केपी सिंह ने अपने आगामी विजन को साझा करते हुए बताया कि वे पुस्तकालय विज्ञान विभाग के पुस्तकालय को पूरी तरह से नया और अत्याधुनिक तकनीकी स्वरूप प्रदान करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने एक बेहद महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि गांधी भवन बहुत जल्द ही समाज के वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विशेष सर्टिफिकेट कोर्स आरंभ करने जा रहा है। इन कोर्सेस में डिजिटल सोशल मीडिया जर्नलिज्म, नेचुरोपैथी, नेशनेलिज्म और स्पिरिचुअलिटी जैसे समसामयिक और उपयोगी विषय शामिल होंगे। प्रो. सिंह ने आगे जानकारी दी कि इन जनोपयोगी सर्टिफिकेट कोर्सेस को शुरू करने के लिए गांधी भवन की मैनेजिंग कमेटी से आधिकारिक मंजूरी भी मिल चुकी है। कार्यक्रम के अंत में प्रो. केपी सिंह द्वारा किए गए आत्मीय अतिथि सत्कार ने वहां मौजूद सभी प्राध्यापकों और अतिथियों को अभिभूत कर दिया। शिक्षाविदों का मानना है कि प्रो. सिंह के मार्गदर्शन में शुरू होने वाले ये नए तकनीकी और सामाजिक कोर्स आने वाले समय में जरूरतमंद विद्यार्थियों के करियर को एक नई और मजबूत दिशा प्रदान करेंगे।

रेत व मुरूम का अवैध उत्खनन व परिवहन करने पर 1 जेसीबी एवं 4 हाईवा जप्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली. विश्वविद्यालय के शिक्षा जगत से एक बेहद गौरवपूर्ण खबर सामने आ रही है। सूचना एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग के प्रभारी और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक का महत्वपूर्ण कार्यभार संभालने पर विभिन्न प्राध्यापकों और गणमान्य लोगों ने प्रो. केपी सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने प्रो. केपी सिंह का पारंपरिक तरीके से पगड़ी, पटका, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की माला पहनाकर, महात्मा बुद्ध की छोटी प्रतिमा भेंट कर और मिठाई खिलाकर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस दौरान प्रो. हंसराज सुमन ने कहा कि प्रो. केपी सिंह की इस उपलब्धि और उनकी कार्यशैली पर पूरे शिक्षक समुदाय को बेहद गौरव है। बधाई देने वाले इस प्रतिनिधिमंडल में प्रो. हंसराज सुमन के साथ प्रो. मनोज कुमार कैन, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. सुरेंद्र सोलंकी, प्रो. मुकेश बैरवा, प्रो. जय विनोद, डॉ. घनश्याम, मास्टर योगेश सिंह और वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. सिंह के कुशल नेतृत्व की सराहना की। इस दौरान उनके विभाग और कार्यालय की खूबसूरती तथा रचनात्मक व्यवस्था भी आकर्षण का केंद्र बनी रही।

पंजाब में बैलेट पेपर से होंगे स्थानीय निकाय चुनावः चुनाव आयोग ने कहा- बंगाल और तमिलनाडु चुनाव के कारण ईवीएम की कमी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. देश में चुनावों के आधुनिकरण और ईवीएम को लेकर चल रही बहस के बीच पंजाब से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पंजाब चुनाव आयोग ने राज्य में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय पारंपरिक बैलेट पेपर यानी मतपत्रों से कराने का बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग के इस अचानक आए फैसले के बाद राज्य की सियासत में गरमाहट आ गई है। इस फैसले का भारतीय जनता पार्टी ने पुरजोर विरोध करते हुए चुनाव आयोग की नीयत पर सवाल उठाए हैं। पंजाब चुनाव आयोग ने इस फैसले के पीछे का तकनीकी कारण स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश के अन्य राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के कारण इस समय पर्याप्त मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम उपलब्ध नहीं हैं। चूंकि बड़े राज्यों के चुनावों में ईवीएम की भारी आवश्यकता होती है, इसलिए पंजाब स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मशीनों की कमी को देखते हुए बैलेट पेपर का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग के इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए इस पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि डिजिटल इंडिया और तकनीक के इस दौर में बैलेट पेपर से चुनाव कराना पीछे लौटने जैसा है।

तमिलनाडु की राजनीति में थलापति विजय का नया धमाका

– विश्वास मत जीतने के बाद अब राज्यसभा में एंट्री की तैयारी



चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय इस वक्त पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में सबसे चर्चित चेहरा बन गए हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को मिली शानदार सफलता के बाद वह राज्य में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से थोड़ा दूर रहने के बावजूद विजय ने विधानसभा में भारी मतों से विश्वास मत हासिल कर अपनी राजनीतिक कुशलता का लोहा मनवा दिया है। अब उनके लिए एक और बड़ी खुशखबरी आने वाली है, जिसकी धमक सीधे दिल्ली दरबार तक सुनाई देगी। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीवीके अब देश की संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी तैयारी में है।

बीते तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने राज्य की दशकों पुरानी स्थापित राजनीति को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया। पार्टी ने 234 सदस्यीय विधानसभा में अकेले 108 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की। थलापति विजय की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने राज्य में पिछले करीब छह दशकों से चली आ रही पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को चुनौती देकर तोड़ दिया है। उनकी इस शानदार जीत का सीधा असर अगले महीने होने वाले राज्यसभा के समीकरणों पर साफ दिखाई पड़ने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में अपने सदस्य को भेजने की टीवीके की मुराद बहुत जल्द पूरी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एआईएडीएमके के एक प्रमुख नेता से जुड़ी है। एआईएडीएमके के सी. वीई. शानमुगम ने हाल ही में मैलाम विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। विधायक चुने जाने से पहले शानमुगम राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन चार मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने नियमतः राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते तमिलनाडु से संसद के ऊपरी सदन की एक सीट खाली हो गई है। खास बात यह है कि शानमुगम एआईएडीएमके के उस बागी गुट का हिस्सा हैं जिसने विश्वास मत के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर थलापति विजय की सरकार को खुला समर्थन दिया था। ऐसे में इस खाली सीट के लिए अगले महीने उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

अगर विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो देश के आठ राज्यों में जून के मध्य में करीब 23 राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। इनमें से एक सीट तमिलनाडु की है। विधानसभा में बदले समीकरणों और संख्या बल के लिहाज से इस सीट पर टीवीके का दावा सबसे मजबूत है क्योंकि राज्य में इस वक्त उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं। हालांकि राज्य में नियमित तौर पर जून 2028 में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जिसमें संख्या बल के आधार पर टीवीके अपने दम पर आसानी से तीन सीटें जीत लेगी। लेकिन इस मौजूदा उपचुनाव में जीत दर्ज कर थलापति विजय की पार्टी संसद में अपना खाता खोल सकती है, जो दिल्ली की राजनीति में उनकी पार्टी की सीधी और धमाकेदार एंट्री होगी।

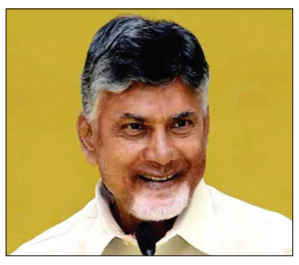
सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज, अब जजों की संख्या हुई 37, नियुक्ति को राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि राष्ट्रपति द्वारा जारी इस अध्यादेश के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला देश की सबसे बड़ी अदालत में लंबित मुकदमों के भारी बोझ को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित है। वर्तमान समय में न्यायालयों पर मामलों का अत्यधिक दबाव है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया में देरी होती है। सरकार को उम्मीद है कि जजों की संख्या में इस बढ़ोतरी से मुकदमों के निपटारे (केस डिस्पोजल) की कार्यवाही में तेजी आएगी। इससे न केवल न्यायिक प्रणाली सुदृढ़ होगी, बल्कि देश के आम नागरिकों को भी समय पर और जल्द न्याय मिल सकेगा।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

–आंध्र प्रदेश में घटती आबादी को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लॉन्च की योजना



नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको 30 हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर 40 हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में घटती आबादी को लेकर चिंता जहिर करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस योजना की पूरी जानकारी अगले एक महीने में जारी की जाएगी। सीएम ने यह घोषणा श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक जनसभा के दौरान की। वह यहां स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज मिलकर जन्म दर बढ़ाने की दिशा में काम करे।

दिलचस्प बात यह है कि पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है। उनका कहना है कि राज्य में तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक हालात के कारण परिवार छोटे होते जा रहे हैं। कई दंपति केवल एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब पहला बच्चा बेटा न हो। नायडू ने कहा कि इन वजहों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि किसी भी समाज की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर का 2.1 होना जरूरी है। अगर यह दर इससे नीचे चली जाती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी बढ़ने लगती है और काम करने वाली युवा आबादी कम हो जाती है। सीएम नायडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में घटती आबादी और बढ़ती बुजुर्ग संख्या आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भारत के कुछ राज्यों में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

–मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश समेत 19 राज्यों में किया अलर्ट जारी



नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा।

पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा। इससे कई राज्यों में बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में जहां गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी, वहीं यूपी और बिहार में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे ज्यादा अस्थिर नजर आ रहा है। लखनऊ, कानपुर, बरेली, बदायूं, हरदोई, जालौन और बुंदेलखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। हालांकि बारिश से कुछ जिलों में तापमान में गिरावट आ सकती है, लेकिन बुंदेलखंड क्षेत्र में लू का असर जारी रहेगा।

बिहार में पिछले कुछ दिनों से मौसम तेजी से बदल रहा है। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, कटिहार और बेगूसराय समेत कई जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार और रविवार को राज्य के कई हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों और खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

झारखंड में भी मौसम का मिजाज अचानक बदल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही हैं। कई इलाकों में बिजली गिरने और पेड़ उखड़ने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन तेज हवाएं परेशानी बढ़ा सकती हैं। राजस्थान में फिलहाल गर्मी का कहर जारी है। हालांकि कुछ जिलों में धूल भरी आंधी और हल्की बूंदाबांदी से मौसम थोड़ा नरम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अगले दो दिनों तक लू का असर बना रहेगा।

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान, इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखा पत्र



नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है। रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब 92,000 करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और 450 मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि 1 मई 2026 को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद 10 मई 2026 को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि 13 मई 2026 को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया के तहत प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जबकि असल में यह प्रक्रिया संसद द्वारा आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की जरुरत पर कोई दो राय नहीं हो सकती। भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं है। फिर भी, मैं आपके विचारार्थ निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करना चाहता हूं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं करीब पांच सालों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया। मंत्री के अनुसार, उनका बेटा लगातार खुद को निर्दोष बता रहा है और इस संबंध में उसने अपने वकीलों को पुख्ता सबूत भी सौंपे हैं। वकीलों को उम्मीद



थी कि कोर्ट से राहत मिल जाएगी, जिसके कारण आत्मसमर्पण में थोड़ी देरी हुई। लेकिन कोर्ट का आदेश आने का इंतजार किए बिना, न्यायपालिका के प्रति सम्मान और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने बेटे को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया।

यह पूरा मामला करीब एक सप्ताह पहले तब शुरू हुआ जब एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने भगीरथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भगीरथ के नाबालिग लड़की के साथ संबंध थे और उसने लड़की का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने भगीरथ पर गलत तरीके से छूने और जबरदस्ती शराब पिलाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था।

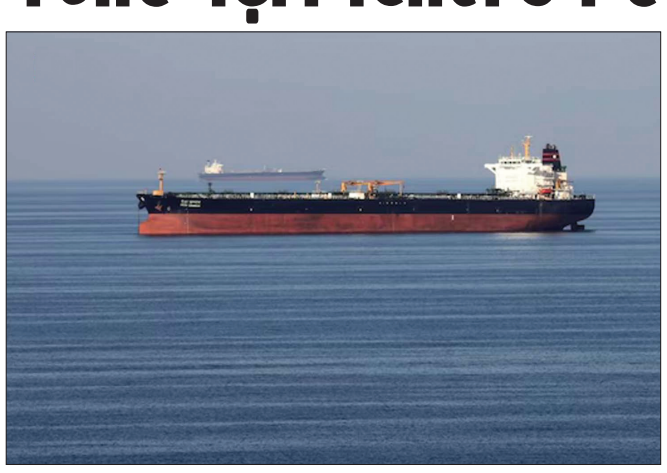
दूसरी तरफ, आरोपी भगीरथ ने भी पुलिस में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। भगीरथ का दावा है कि लड़की उसे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों और पार्टियों में बुलाती थी। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिलहाल, इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है और केंद्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग उठने लगी है ताकि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मामले के दोनों पक्षों की गहनता से जांच कर रही है।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है। इस अभूतपूर्व संकट और अनिश्चितता के दौर में भारतीय टैंकर का सुरक्षित निकलना देश की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से एक बड़ी खुशखबरी है।



हीरो मोटोकॉर्प का 1500 करोड़ का मेगा प्लान

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक स्कूटर उत्पादन क्षमता दोगुनी करेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने अपने स्कूटर कारोबार को आक्रामक रूप से विस्तार देने की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 1,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश का ऐलान किया है। इस पहल का लक्ष्य लोकप्रिय स्कूटर मॉडल की क्षमता दोगुनी कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। हीरो मोटोकॉर्प के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी वर्तमान 60,000 मासिक स्कूटर बिक्री को 1 लाख इकाई तक पहुंचाने की योजना बना रही है। डेस्टिनी मॉडल की क्षमता पहले ही 50 फीसदी बढ़ी है, जबकि जूम स्कूटर की क्षमता दोगुना करने की प्रक्रिया जारी है। कंपनी कलपुर्जा कारोबार भी मजबूत कर रही है, जिसके तहत दक्षिण भारत में 700 करोड़ रुपए के निवेश से एक वैश्विक कलपुर्जा केंद्र बनेगा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट में भी बड़ी तैयारी है। कंपनी ने अपनी ईवी उत्पादन क्षमता 15,000 से बढ़ाकर 25,000 इकाई कर दी है, और इस साल के अंत तक इसे दोबारा दोगुना करने का लक्ष्य है। उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के असर पर कहा कि अप्रैल-मई की शुरुआत तक मांग मजबूत है, पर वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भविष्य की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। युद्ध से पहले` वित्त वर्ष 26-27 में दोपहिया उद्योग के लिए बेहतर वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब सतर्कता की मांग करती है।

यूसीआईएल झारखंड में तांबा अपशिष्ट से निकालेगी यूरेनियम

सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के खनन अपशिष्ट का होगा प्रसंस्करण

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) झारखंड में एक विशेष रिकवरी संयंत्र स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के तांबा खनन अपशिष्ट (टेलिंग्स) से यूरेनियम निकालना है। यह पहल देश की परमाणु ऊर्जा उत्पादन और रक्षा जरूरतों के लिए घरेलू यूरेनियम आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एचसीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने यूसीआईएल के साथ सहमे ति बनाई है, जिसके तहत एचसीएल अपने टेलिंग्स यूसीआईएल को सौंपेगी। ये टेलिंग्स तांबे जैसे खनिजों को अयस्क से अलग करने के बाद बचे हुए बारीक अपशिष्ट होते हैं,` जिनमें यूरे नियम के अंशव मौजूद हैं। यूसीआईएल आधु निक तकनीक से इन अपे शिष्ट का प्रसंस्करण कर यूरे नियम` निकालेगी और उपचारित पदार्थ एचसीएल को लौटाएगी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना रणनीतिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टि से फायदेमंद है। भारत अभी परमाणु ऊर्जा के लिए काफी हद तक आयातित यूरेनियम पर निर्भर है। ऐसे में यह कदम घरेलू आपूर्ति बढ़ाएगा, पुराने खनन अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन करेगा और पर्यावरण पर बोझ कम करेगा। भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जिसमें यह पहल अहम भूमिका निभाएगी।

साल में पहली बार वोडा-आइडिया को 51,970 करोड़ का मुनाफा

सोमवार को शेयर में बड़े उछाल की उम्मीद

मुंबई। संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 51,970 करोड़ रुपए का चौंकाने वाला मुनाफा दर्ज किया है। लगभग छह साल में यह कंपनी का पहला मुनाफा है, जिसके पीछे मुख्य कारण समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) देनदारी में मिली भारी राहत है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 7,167 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था, जिससे यह टर्नअराउंड और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुनाफे की मुख्य वजह दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा दी गई एजीआर (एडजस्ट ग्रॉस रेवेन्यू) देनदारियों में बड़ी राहत है। कंपनी के अनुसार डीओटी ने पहले 31 दिसंबर, 2025 तक बकाया एजीआर को 87,695 करोड़ रुपए बताया था। हालांकि, बाद में एक पुनर्मूल्यांकन समिति ने 2006-07 से 2018-19 की अवधि के लिए इस बकाया को घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दिया। इस प्रक्रिया के चलते कंपनी की वित्तीय देनदारी से 80,502 करोड़ रुपए हटा दिए गए, जिससे संशोधित देनदारी 24,880 करोड़ रुपए रह गई। इसी राहत के कारण कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में भी 34,552 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

विदेशी बिकवाली, कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अे धिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार` विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा। इसके साथ ही, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल और एनटीपीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। गौरतलब है।

गौतम एक्सिम में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान, निवेशकों के लिए जानें पूरी डिटेल

रिकॉर्ड डेट 22 मई तय, हर शेयर के बदले मिलेंगे दो शेयर; जानें इसका मतलब

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक बड़ी खबर है। गौतम एक्सिम लिमिटेड अपने शेयरों का बंटवारा करने जा रही है, जिसे स्टॉक स्प्लिट कहते हैं। कंपनी ने इस बदलाव के लिए 22 मई 2026 की रिकॉर्ड डेट तय की है, जिसका फायदा मौजूदा निवेशकों को मिलेगा और नए निवेशकों के लिए भी शेयर अधिक आकर्षक हो जाएंगे। कंपनी ने 1ः2 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है। इससे 10 रुपये फेस वैल्यू वाला शेयर 5 रुपये का हो जाएगा, यानी प्रत्येक शेयरधारक को एक शेयर के बदले दो शेयर मिलेंगे। हालांकि, कुल निवेश मूल्य समान रहेगा। कंपनियां आमतौर पर यह कदम शेयर को छोटे निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए उठाती हैं। इस कॉर्पोरेट एक्शन के लिए कंपनी ने 22 मई को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इसका मतलब है कि जो निवेशक इस तारीख तक गौतम एक्सिम (जीईएल, कोडः 540613) के शेयर अपने डीमैट खाते में रखेंगे।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे। अदाणी ने जोर दिया कि कंपनी अब पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भविष्य में नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई रणनीति के साथ, कंपनी तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी।

खाद्य तेल बाजार में उतार-चढ़ाव मूंगफली सस्ती, सरसों-सोयाबीन में तेजी

आयात शुल्क वृद्धि, रुपये की कमजोरी और कमजोर आवक से सरसों-सोयाबीन हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। गुजरात में गर्मी की मूंगफली फसल की संभावना से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में` गिरावट देखी गई, वहीं कमजोर आवक और बढ़ती मांग के चलते सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में तेजी दिखाई दी। सरकार द्वारा सीपीओ और सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 4.5 रुपये और 1.5 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास रहने से आयातित तेलों के दाम बढ़े। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सोयाबीन प्लांटों द्वारा खरीद मूल्य बढ़ाने से भी सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार आया। बाजार के जानकारों के अनुसार, सरसों का तेल सस्ता होने के कारण इसकी मांग बढ़ी है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम मिलने से वे अपनी फसलें नाप-तौल कर बेच रहे हैं, जिससे आपूर्ति सीमित रहने और मांग बढ़ने से सरसों, सोयाबीन और बिनौला तेल के दाम ऊंचे रहे। कपास नरम का भाव भी एमएसपी से 10-11 प्रतिशत अधिक, 9,000 रुपये क्विंटल से ऊपर बना हुआ है। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 175 रुपये के सुधार के साथ 7,175-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 500 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 60-60 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः

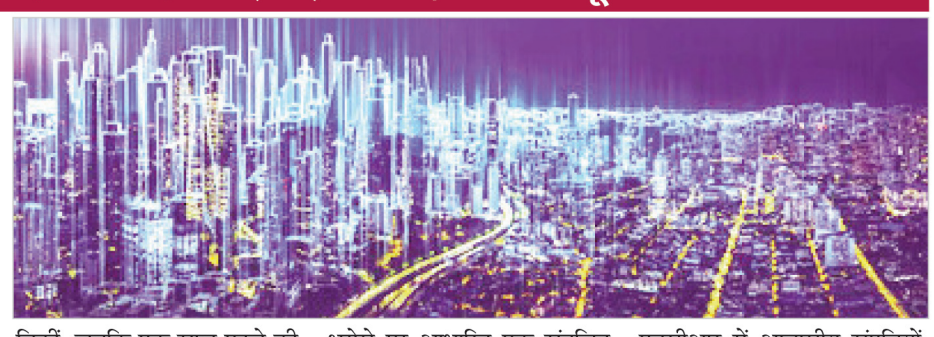


2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 350-350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,725 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये टूटकर 6,225-7,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये टूटकर 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये टूटकर 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटी, मांग में नरमी का असर

2026 की पहली तिमाही में 96 हजार इकाइयां बिकीं, सस्ती आपूर्ति का अभाव भी कारण

नई दिल्ली ।



भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर लगभग 96 हजार इकाई रह गई है। मांग में नरमी और सस्ते घरों की नई आपूर्ति कम रहने से बिक्री प्रभावित हुई है। यह जानकारी एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे जैसे आठ शहरों में कुल 95,973 आवासीय संपत्तियां बिकीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 98,095 इकाई था।

इस दौरान मकानों की नई आपूर्ति भी 93,065 इकाई पर लगभग स्थिर रही।` रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय आवास बाजार अब वास्तविक मांग, नियंत्रित भंडार और खरीदारों के भरोसे पर आधारित एक संतुलित दौर में है। शहरों के प्रदर्शन की बात करें तो बेंगलुरु ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जहां बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 15,603 इकाई हो गई। चेन्नई में भी बिक्री बढ़कर 6,841 इकाई और हैदराबाद में 25 प्रतिशत बढ़कर 13,297 इकाई रही। दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में 11 प्रतिशत का उछाल देखा गया। हालांकि, मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 26,116 इकाई, पुणे में 21 प्रतिशत घटकर 13,565 इकाई और कोलकाता में 24 प्रतिशत घटकर 2,883 इकाई रह गई।

टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर

लो-लेटेंसी व एआई-तैयार सेवाओं पर फोकस; रेलटेल से 20 वर्षीय राजस्व-साझेदारी

नई दिल्ली ।

टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी (टीईईसीएल) की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है। टेक्नो डिजिटल के एक अे धिकारी ने बताया कि यह निवेश कंपनी की 1 अरब डॉलर की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें देशभर में हाइपरस्केल व एज डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। वित्त वर्ष 2026-27 तक इस योजना का आधा से अधिक निवेश चेन्नई, नोएडा और कोलकाता के हाइपरस्केल परिसरों सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में कंपनी इंदौर, विशाखापत्तनम, चंडीगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में भी विस्तार की योजना बना रही है।

भारत में बनेगा पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर

कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर कमाए, वित्तीय नतीजों में भी दिखी तेजी

मुंबई ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब दुनिया भर की कंपनियों के कामकाज का मुख्य आधार और बुनियादी ढांचा बन चुका है। अपनी 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में उन्होंने बताया कि,ढ्ढ अब केवल एक तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह निवेश से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, हर पहलू को पूरी तरह से बदल देगा। टीसीएस ने अपने ह्यूमन प्लस आई ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए एआई सेवाओं से सालाना 2.3 अरब डॉलर की कमाई की है। कंपनी अब भारत में पहला उच्च-घनत्व वाला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है, जबकि उसके वित्तीय नतीजे भी शानदार रहे हैं। चंद्रशेखरन के अनुसार, कंपनियां अब एआई का केवल प्रयोग नहीं कर रही हैं, बल्कि इसे सीधे अपने मुख्य और सबसे जरूरी कामकाज में शामिल कर रही हैं। एआई के अलावा, क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीक वाली सेवाओं से टीसीएस ने 11.5 अरब डॉलर का राजस्व हासिल किया है। भविष्य की रणनीति के तहत टीसीएस एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई ढांचा तैयार करने पर जोर दे रही है। कंपनी एक ऐसा एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित करना चाहती है, जिसे विभिन्न उद्योगों की जरूरतों के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। इसके साथ ही टीसीएस भारत का पहला एआई-फोकस्ड डेटा सेंटर स्थापित करेगी, जिसकी रैक डेंसिटी 160 किलोवाट से अधिक होगी। वित्तीय मोर्चे पर, मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध लाभ 12.22 फीसदी बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 1.35 फीसदी की बढ़त के साथ 49,210 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कर्मचारियों की संख्या में आ रही गिरावट भी थम गई है; मार्च तिमाही में 2,356 नए कर्मचारी जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 5,84,519 हो गई।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

पश्चिमी एशिया में तनाव, सेंसेक्स-निफ्टी भी धड़ाम, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण समीक्षाधीन सप्ताह में 42,470.13 करोड़ रुपये बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत रहा और बाजार में उसके मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

एनपीएस पेंशनर्स को राहत अब गंभीर बीमारी में सरेंडर कर सकेंगे एन्युटी पॉलिसी

मेडिकल इमरजेंसी में फंसे लाखों लोगों को मिलेगी बड़ी आर्थिक मदद



मुंबई ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से जुड़े लाखों पेंशनर्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने एन्युटी पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब गंभीर बीमारी जैसी विशेष परिस्थितियों में एन्युटी पॉलिसी को बीच में बंद कर पैसा निकाला जा सकेगा, जिससे मेडिकल इमरजेंसी में आर्थिक संकट का सामना कर रहे लोगों को बड़ी मदद मिलेगी। पीएफआरडीए को मेडिकल इमरजेंसी में पूंजी तक पहुंच न होने संबंधी लगातार आवेदन मिल रहे थे, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। अब तक, नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत रिटायरमेंट पर कुल फंड का कम से कम 40 फीसदी हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना अनिवार्य होता था, जिसे एक बार खरीदने के बाद बीच में बंद करना लगभग असंभव था। नए नियमों से उन रिटायर्ड कर्मचारियों को खास राहत मिलेगी जो अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। नए सर्कुलर के तहत, स्वयं या परिवार के सदस्य की गंभीर बीमारी की स्थिति में बीमा कंपनियां विशेष परिस्थितियों में एन्युटी सरेंडर की अनुमति दे सकती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया स्वचालित नहीं होगी और बीमा कंपनियों द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम मंजूरी मिलेगी। पीएफआरडीए ने पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए कहा है कि बीमा कंपनी को सरेंडर के बाद मिलने वाली राशि, सभी टैक्स और कटौतियों की विस्तृत जानकारी पेंशनर्स को लिखित में देनी होगी, और यह पूरी प्रक्रिया पेंशनर्स की लिखित सहमति से ही होगी। विशेषज्ञ हालांकि सलाह देते हैं कि तात्कालिक राहत के लिए एन्युटी सरेंडर करने से पहले इसके दीर्घकालिक वित्तीय असर पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य बुढ़ापे में नियमित आय सुनिश्चित करना है।

स्टारबक्स करेगी 300 कॉर्पोरेट नौकरियों में कटौती, कई कार्यालय होंगे बंद

लाभप्रदता बढ़ाने और संचालन सुव्यवस्थित करने की रणनीति; स्टोर कर्मचारी अप्रभावित

मुंबई ।

कॉफी दिग्गज स्टारबक्स ने अमेरिका में 300 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह कंपनी द्वारा अटलांटा, बरबैंक और शिकागो सहित कई शहरों में अपने लोकल सपोर्ट ऑफिस बंद करने के साथ-साथ कारोबार को मुनाफे की राह पर लाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये छंटनी सिर्फ कॉर्पोरेट भूमिकाओं तक सीमित हैं और इसका असर उसके कॉफीहाउस या स्टोर कर्मचारियों पर नहीं पड़ेगा। यह कदम स्टारबक्स की बैक टू स्टारबक्स रणनीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की समीक्षा कर कामकाज को सरल बनाना, लागत कम करना और परिचालन क्षमता बढ़ाना है।

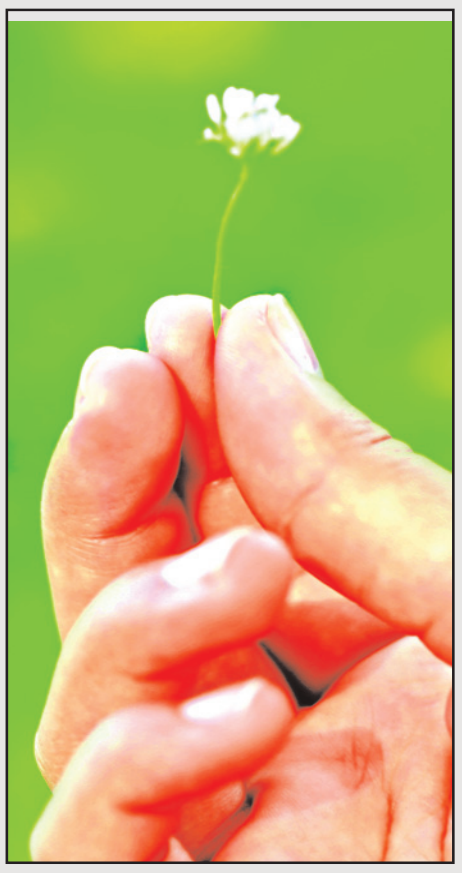
कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के नेतृत्व में यह छंटनी का तीसरा दौर है।

इससे पहले कंपनी फरवरी 2025 में 1,100 नौकरियों में कटौती कर चुकी है, जिसके बाद 900 नॉन-रिटेल पद और खत्म



किए गए थे। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बदलती खर्च प्राथमिकताओं के कारण बिक्री में गिरावट का सामना कर रही स्टारबक्स इस पुनर्गठन पर करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करेगी। कंपनी अपने कैफे संचालन में सुधार, नए मेन्यू आइटम और स्टोर्स में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति जैसे कदमों के जरिए कारोबार को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

मन की साधना



चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान



गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा



ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद



जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे, इम्पैक्ट प्लेयर-ट्रैविस हेड

गॉफ को हराकर स्वीटिलोना ने इटेलियन ओपन टेनिस खिताब जीता



रोम (एजेंसी)। यूक्रेन की एलीन एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर इटेलियान ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। स्वितोलिना ने महिला एकल सेमीफाइनल में गॉफ को एक रोमांचक मुकाबले में 6-4, 6-7 3, 6-2 से हराया। ये मैच लगभग 2 घंटे 49 मिनट तक चला। ये तीसरी बार है जब गॉफ ने ये खिताब जीता है। इससे पहले साल 2017 और 2018 में भी गॉफ ने ये खिताब जीता था।

मैच के पहले सेट में ही गॉफ ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली थी पर आठवें गेम में गॉफ की दो डबल फॉल्ट्स उन्हें भारी पड़ गयी। स्वितोलिना ने इसके बाद ब्रेक हासिल कर वापसी कर ली। इस खिलाड़ी ने नौवें गेम में तीन ब्रेक अंक बचाए और 6-4 से पहला सेट जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में गॉफ की वापसी अच्छी रही। दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे कड़ी टक्कर हुई। गॉफ ने 11वें गेम में ब्रेक हासिल किया पर उनके सर्व करने के दौरान ही स्वितोलिना ने मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और 7-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद तीसरे सेट में स्वितोलिना ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने कब्जे में कर लिया।। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते समय उन्होंने तीन ब्रेक अंक भी बचाए और अपनी जीत तय की। यूक्रेनी खिलाड़ी ने जीत पर खुशी जतायी पर कहा कि उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?



चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लग रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है। इसके अलावा 44 साल के होने जा रहे धोनी आईपीएल से विदायी भी ले सकते हैं क्योंकि सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

– संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली



पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। टीम प्रबंधन का मुख्य लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना और साथ ही 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को मजबूत करना बताया जा रहा है।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा। इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा – माइकल हसी

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है। राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में उप-विजेता रहे, फाइनल में इंडोनेशिया से करना पड़ा हार का सामना

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे, उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीज़न के अपने पहले फाइनल में हिस्सा ले रहे टॉप सीडेड भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, बिना सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 53 मिनट में हार गए। लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन के



खिलाफ सात्विक और चिराग की यह पांच आमने-सामने की मुलाकातों में पहली हार थी।

सात्विक-चिराग ने आखिरी बार दो साल पहले बीडब्ल्यूफ टाइटल जीता था। इत्तेफाक से, उनकी आखिरी जीत 2024 थाईलैंड ओपन में हुई थी। भारतीय जोड़ी ने 2019 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल के शुरुआती गेम में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी 4-1 से पीछे हो गए और वापसी नहीं कर पाए।

दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था। शुरुआत में 5-2 से पीछे रहने के बाद, सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली और चार मैच पॉइंट बचाए। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपने पांचवें मैच पॉइंट का फायदा उठाकर उन्हें हरा दिया। सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी सीडेड मलेशियाई जोड़ी को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया और उससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 21-12, 21-13 से हराया।

लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु की हार के साथ सिंगल्स इवेंट्स में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अगले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखाई देंगे।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था। अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।



18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता । आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये। ये केकेआर के लिए दोहरी झटका रहा क्योंकि टीम लंबे समय से पाथिराना की फिटनेस का इंतजार कर रही थी। जब आखिरकार वह फिट हुए और खेलने के लिए तैयार दिखे, तो अपने पहले ही मैच में उन्हें फिर से चोटिल होकर बाहर बैठना पड़ा। इससे सोशल मीडिया पर पाथिराना और केकेआर दोनों पर ही प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रबंधन और खिलाड़ी की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के रिलीज करने के बाद पाथिराना को इस सत्र के लिए केकेआर ने 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। केकेआर को श्रीलंका के इस युवा तेज गेंदबाज से काफी उम्मीदें थीं, खासकर उसकी धारदार यॉर्कर और डेथ ओवरों की गेंदबाजी को लेकर पर उनके चोटिल होने से सभी पर पानी फिर गया। मैच में मुश्किल क्षणों में टीम ने उन्हें उतारा था पर लाभ नहीं हुआ।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

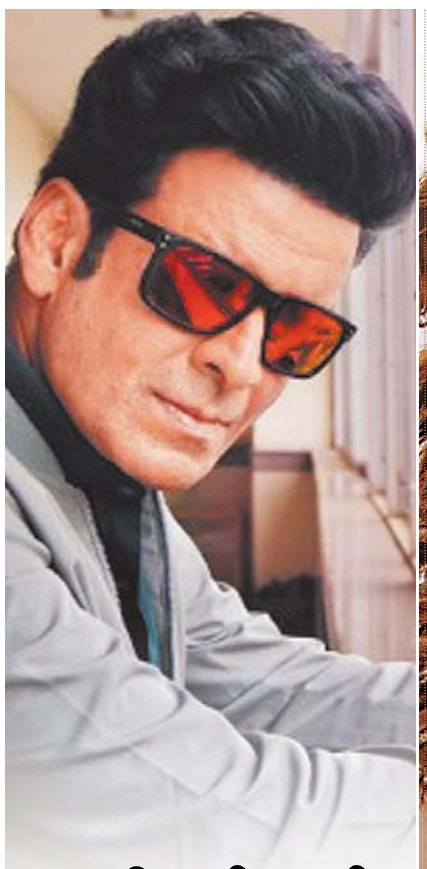
गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर ÷नहीं÷ था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में ÷दादा युग÷ की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।



केकेआर को प्लेऑफ के लिए बड़े अंतर से जीतने होंगे बचे हुए मैच

कोलकाकता । आईपीएल के 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। शुरुआती मैचों में लगातार हार के बाद टीम ने बाद के 6 में से पांच मैचों में जीत के साथ वापसी की है। उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। अब उसके 11 अंक है और अगर वह अगले दो मैचों को बड़े अंतर से लगातार जीत हासिल करती तो उसके 15 अंक हो जाएंगे, ऐसे में उसके प्लेऑफ की संभावननाएं बनी रहेंगी पर इसके लिए उसे अन्य मैचों के परिणामों के भी उसके अनुसार आने की उम्मीद करनी होगी। केकेआर का अगला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को है, इसके बाद उसे दिल्ली कैपिटल्स से 24 मई को खेलना है। अभी केकेआर के अलावा गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की की दौड़ में हैं। दिल्ली की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं।



आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नर' का टीजर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था। टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स ने किया है निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।



इंस्पेक्टर अविनाश में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मेंस वैनिटी' यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।' एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, 'असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।' उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।'

उर्वशी ने कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।' बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश' पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं।



कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, 'चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है। अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं। कुनिका ने आगे कहा, 'हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है।'

उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर 'अगली स्टोरी' में नजर आएंगी अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं। 'अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।



रियलिटी शो होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'



इस बार लोग मेरा थोड़ा अलग साइड देखेंगे

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की।



मैं बस रियल रहना चाहता हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं। इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है।

इस बार सेट पर ड्रामा मस्ती ज्यादा होगी

बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो।



संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वर्जीनिया का चुनावी नक्शा बहाल करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वर्जीनिया की उस अहम अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी को फायदा पहुंचाने वाले चुनावी नक्शे (कांग्रेशनल मैप) को बहाल करने की मांग की गई थी। अदालत के इस बड़े फैसले से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में डेमोक्रेट्स को चार और सीटें जीतने का जो शानदार मौका मिल रहा था, वह अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। यह आदेश अमेरिका में चल रहे चुनाव क्षेत्र परिसीमन (रिडिस्ट्रिक्टिंग) विवाद का एक नया और अहम मोड़ है। इस विवाद की शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन शासित राज्यों से अपनी चुनावी सीमाएं दोबारा तय करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'वोटिंग राइट्स एक्ट' को कमजोर करने वाले हालिया फैसले ने रिपब्लिकन पार्टी के लिए जीतने लायक और सीटें खोल दी हैं। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने अलबामा और लुइसियाना में भी रिपब्लिकन के पक्ष में ही फैसले दिए हैं। हालांकि, वर्जीनिया का यह मामला थोड़ा अलग था। यह विवाद वर्जीनिया सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें पिछले ही महीने मतदाताओं द्वारा मामूली अंतर से पास किए गए एक संवैधानिक संशोधन को 4-3 के बहुमत से रद्द कर दिया गया था। राज्य की अदालत ने अपनी जांच में पाया था कि डेमोक्रेट-नियंत्रित विधायिका ने वर्जीनिया के आम चुनावों में 'अर्ली वोटिंग' शुरू होने के बाद, अनुचित और गलत तरीके से इस संशोधन को मतपत्र पर रखने की प्रक्रिया शुरू की थी।

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर शिकंजा, अमेरिका कर रहा अभियोग की तैयारी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ अभियोग (इंडिक्टमेंट) दायर करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह संभावित अभियोग 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' के चार विमानों को मार गिराने में कास्त्रो की कथित भूमिका से जुड़ा है। उस समय कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा को चेतावनी दी है कि यदि वहां का नेतृत्व अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी निवेश के लिए नहीं खोलता है, तो वे संभावित सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने जेल में अकेले रखे जाने को चुनौती दी, उच्च न्यायालय में याचिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने अदियाला जेल में उनके लंबे एकांत कारावास को अवैध बताते हुए उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अलीमा खान ने गुरुवार को याचिका दायर की, जिसमें कहा कि किसी भी अदालत ने खान को एकांत कारावास की सजा नहीं सुनाई है। आरोप है कि जेल अधिकारी उन्हें पिछले छह महीनों से प्रतिदिन करीब 22 घंटे एकांत में रख रहे हैं, जबकि कानूनन यह 14 दिनों से अधिक नहीं हो सकता। याचिका में यह भी कहा गया कि खान की दाहिनी आंख की 85 फीसदी रोशनी चली गई है और उनके इलाज की जानकारी परिवार को नहीं मिली। खान ने बताया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी उसी जेल में एकांत में हैं। पीटीआई नेताओं को गुरुवार को खान से मिलने नहीं दिया गया, जबकि उच्च न्यायालय ने सप्ताह में दो बार मिलने की अनुमति दी है।

अमेरिका- लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मेन राज्य में शुक्रवार को एक लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक फायरफाइटर की मौत हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक हादसा मेन के मिडकोस्ट इलाके में स्थित रॉबिन्स लंबर मिल में हुआ। जानकारी के अनुसार मिल में लगी आग को बुझाने के लिए बड़ी संख्या में फायर ब्रिगेड और बचाव दल मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान मिल का एक बड़ा साइलो अचानक फट गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए। बाद में एक फायरफाइटर का शव घटनास्थल से बरामद किया गया। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पोर्टलैंड के मेन मेडिकल सेंटर में 10 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। रॉबिन्स लंबर कंपनी 1881 से चल रही पारिवारिक कंपनी है और मेन राज्य की बड़ी लकड़ी कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी के प्रवक्ता ने इसे परिवार और इलाके के लिए 'बहुत दुखद दिन' बताया है। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन से लौटते ही ट्रंप के डेलीगेशन ने कचरे में फेंके फोन और लैपटॉप, क्यों राष्ट्रपति के खेमे में मचा हड़कंप?



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चीन यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 13 से 15 मई 2026 तक चली इस राजकीय यात्रा को दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को स्थिर करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन यात्रा समाप्त होते ही एक ऐसी दिलचस्प और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई जिसने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन से वापस लौटते ही अमेरिकी डेलिगेशन के सदस्यों ने अपने मोबाइल फोन, लैपटॉप और यहां तक कि एक्रेडिटेशन कार्ड्स को भी कचरे के डिब्बे में फेंक दिया।

क्यों उठाया गया ऐसा कदम : अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों द्वारा उठाया गया यह कदम सीधे तौर पर चीन द्वारा की जाने वाली संभावित जासूसी की आशंका से जुड़ा है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को इस बात का गहरा डर था कि चीन की यात्रा के दौरान इन उपकरणों में गुप्त रूप से जासूसी सॉफ्टवेयर या मैलवेयर प्लांट किए गए हो सकते हैं। यदि इन उपकरणों को वापस अमेरिकी नेटवर्क से जोड़ा जाता, तो वे भविष्य में संवेदनशील सरकारी जानकारी चुराने का जरिया बन सकते थे। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों ने डेलिगेशन के सभी सदस्यों को चीन में इस्तेमाल किए गए सामानों को फेंकने का निर्देश दिया।

क्लीन डिवाइस का इस्तेमाल : जानकारी के अनुसार, चीन जाने से पहले ही अमेरिकी डेलीगेशन के लिए सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए थे। डेलिगेशन के सदस्य अपने मूल फोन और लैपटॉप अमेरिका में ही सुरक्षित छोड़कर गए थे। इसके बजाय, उन्हें चीन में उपयोग के लिए विशेष रूप से तैयार 'टेंपररी' या 'क्लीन डिवाइस' दिए गए थे। ये उपकरण अस्थाई लैपटॉप और नियंत्रित संचार प्रणालियों से लैस थे। जिन्हें जासूसी, हैकिंग या अवैध डेटा संग्रह के जोखिम को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। तकनीकी चुनौतियों का सामना इन कड़े सुरक्षा उपायों के कारण डेलिगेशन को काफी 'सिरदर्दी' और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सामान्य संदेश जो आमतौर पर एन्क्रिप्टेड ऐप्स या सिंक किए गए डिवाइस के जरिए तुरंत पहुंच जाते हैं, उन्हें भेजने के लिए नियंत्रित चैनलों और अस्थायी खातों का सहारा लेना पड़ा।

कई बार गोपनीय संदेशों को व्यक्तिगत रूप से पहुंचाना पड़ा ताकि डिजिटल हैकिंग की किसी भी संभावना को शून्य किया जा सके। अमेरिकी अधिकारी चीन को साइबर सुरक्षा के लिहाज से एक जोखिम भरा देश मानते हैं, इसलिए वहां किसी भी Digital Footprint को छोड़ना खतरनाक माना जाता है।

ट्रंप और शी जिनपिंग के क्या है मायने : लगभग 9 साल के लंबे समय के बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा थी। इस तीन दिवसीय राजकीय दौरे के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच व्यापारिक समझौतों, टैरिफ, ताइवान के मुद्दे, ईरान युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। इस यात्रा में ट्रंप के साथ अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ भी शामिल थे, जिनमें एलन मस्क प्रमुख थे। हालांकि यह यात्रा मूल रूप से मार्च में होनी थी, लेकिन ईरान संकट के कारण इसे मई में पूरा किया गया।

'विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं : अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहीं 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की संवाददाता एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, 'विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भर रहे हैं।' वाशिंगटन लौट रहे ट्रंप प्रशासन या खुद वाइट हाउस की तरफ से सामानों को नष्ट किए जाने की इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इजरायल लेबनान सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ा, अमेरिकी मध्यस्थता में फैसला



येरुशलम, एजेंसी। इजरायल लेबनान सीजफायर को लेकर मिडिल-ईस्ट से बड़ी खबर आई है। वॉशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही उच्च स्तरीय शांति वार्ता पूरी तरह सफल रही है। दोनों देश अगले 45 दिनों के लिए अपने संघर्ष-विराम को और बढ़ाने पर राजी हो गए हैं। 16 अप्रैल को लागू हुआ यह युद्धविराम रविवार को खत्म होने वाला था, लेकिन सीमा पर हिंसा रोकने के लिए इसे बढ़ाया गया है। लेबनानी सरकार ने उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के कड़े विरोध के बावजूद इस ऐतिहासिक शांति वार्ता में हिस्सा लिया।

दोनों पक्षों ने की आमने-सामने चर्चा : पिछले कई दशकों में पहली बार दोनों पक्षों के सैन्य और सुरक्षा अधिकारी आमने-सामने बैठे। लेबनान का पूरा जोर इस युद्ध को पूरी तरह से रोकने पर था। वहीं इजरायल ने किसी भी समझौते के लिए हिजबुल्लाह के निशस्त्रीकरण की शर्त रखी है। यह हिंसक तनाव 2 मार्च को शुरू हुआ था जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइलें दागी थीं। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिणी लेबनान में भीषण हवाई और जमीनी सैन्य अभियान चलाया। इस खूनी युद्ध की वजह से लेबनान के करीब 12 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

ट्रंप की अहम पहल हुआ था सीजफायर : इस भारी तबाही के बीच पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर पहली बार सीजफायर हुआ था। इस अहम घोषणा से दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष काफी हद तक शांत हुआ। हालांकि, अभी भी दक्षिणी लेबनान में छिटपुट झड़पें लगातार जारी हैं। अमेरिकी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 16 अप्रैल को लागू सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ाया जा रहा है। वॉशिंगटन को उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति और सुरक्षा स्थापित होगी। यह संप्रभुता के सम्मान के लिए अहम कदम है।

स्थायी समझौते पर आगे की बातचीत का प्लान : इस सीजफायर को स्थायी समझौते में बदलने के लिए बैठकों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 29 मई से पेंटागन में 'सुरक्षा ट्रैक' की एक नई और अहम बातचीत शुरू होने वाली है। इसके बाद 2 और 3 जून को अमेरिकी विदेश विभाग में राजनीतिक वार्ता होगी।

कोलंबो एयरपोर्ट पर 10.8 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक (60) को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लगभग 2.15 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.8 करोड़ रुपये (108 मिलियन श्रीलंकाई रुपये) आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पेशे से भूविज्ञानी है। वह कतर एयरवेज की उड़ान से दोहा होते हुए युगांडा से कोलंबो पहुंचा था। संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर जब उसके चेक-इन बैगेज की गहन तलाशी ली गई, तो अधिकारियों को बैग के अंदर बड़ी सफाई से छिपाई गई कोकीन की खेप मिली। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अमेरिकी किशोर बना बौद्ध भिक्षु शुरू किया आध्यात्मिक सफर : वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धरत अमेरिका के मिनेसोटा के 19 वर्षीय जालु दोर्जे बौद्ध भिक्षु बन गए हैं। वह छह महीने पहले तक एक्सबॉक्स पर गेम खेलते और पिज्जा खाते थे, लेकिन अब हिमालय की तलहटी में स्थित मठ में बौद्ध लामा के रूप में लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जालु को बचपन में ही दलाई लामा ने एक पुनर्जन्म लामा के रूप में पहचान लिया था। पिछले साल हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी कर भारत के मिंडरोलिंग मठ में शामिल हो गए।

इस्त्राइल : शहीद भारतीय यहूदी सैनिकों को राजदूत ने दी श्रद्धांजलि : येरुशलम, एजेंसी। इस्त्राइल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने रिमेंबरेंस डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इस्त्राइल के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय यहूदी समुदाय के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन ज्यूज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजदूत ने कहा कि यह समुदाय इस्त्राइल के विकास और भारत-इस्त्राइल संबंधों को मजबूत करने में एक सेतु की भूमिका निभा रहा है। उधर, नई दिल्ली में इस्त्राइली राजदूत रूवेन अजर ने दोनों देशों के रिश्तों को प्रगाढ़ बताया।

'सच्चे खजाने' हैं मोदी! यूएई की मंत्री ने बांधे तारीफों के पुल, 200 अरब डॉलर के व्यापार का रखा लक्ष्य



अबुधाबी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 मई 2026 की यूएई यात्रा भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती गहरी रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी का एक नया अध्याय है। यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी द्वारा पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना और उनके भव्य स्वागत ने यह साफ कर दिया है कि दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अब और भी मजबूत और प्रभावशाली हो गए हैं।

पीएम मोदी को बताया 'सच्चा खजाना : यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यूएई के नेतृत्व और यहां के लोगों के लिए एक सच्चे खजाने की तरह हैं। जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, यूएई और भारत का शीर्ष नेतृत्व साल में कई बार नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहे हैं। इसलिए यह दौरा उसी दोस्ती और रिश्ते का हिस्सा होगा। हम उनके यूएई आने को लेकर बहुत उत्सुक और उत्साहित हैं। हाशिमी ने इस बात पर जोर दिया कि जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नियमित संवाद बढ़ा है जो इस गहरी दोस्ती का प्रमाण है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि मजबूत भारत और मजबूत यूएई के बिना एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना कठिन है। 200 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच सहयोग अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मंत्री अल हाशिमी ने खुलासा किया कि भारत और यूएई अब 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ साल पहले हुए ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद 100 अरब डॉलर का लक्ष्य पहले ही पार किया जा चुका है।

ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति पर चर्चा : पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान तेल और एलपीजी को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्णायक साबित होंगे। द्विपक्षीय बैठक के दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हुए हालिया ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए भारत की ओर से हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। कूटनीतिक प्रोटोकॉल से हटकर, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने हवाई अड्डे पहुंचे, जहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। पीएम मोदी ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए अपने 'भाई' नाहयान का आभार व्यक्त किया। यह यात्रा न केवल व्यापार और ऊर्जा बल्कि रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों को एक-दूसरे के और करीब ले आएगी।

भूकंप: जापान में 6.3 की तीव्रता से हिली धरती, घरों-दफ्तरों से बाहर भागे लोग; क्या आने वाली है सुनामी?



टोक्यो, एजेंसी। जापान में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटकों ने एक बार फिर दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। इस झटके के कारण देश के कई शहरों में लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और गहराई : जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार शाम को आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के समुद्री क्षेत्र में स्थित था। विशेषज्ञों ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से करीब 50 किलोमीटर नीचे थी। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर इसका प्रभाव कम रहा लेकिन झटके कॉफी दूर तक लगे।

जनजीवन पर पड़ा असर : जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुआ, कई बड़े शहरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने तुरंत कदम उठाते हुए कई रूटों पर ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। यात्रियों को किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए ट्रेनों को स्टेशनों पर ही रोक दिया गया था। जांच के बाद जब पटरियों और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित पाया गया, तभी परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई।

सुनामी का कोई खतरा नहीं : तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता सुनामी को लेकर थी। हालांकि, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों या दिनों में 'आफ्टरशॉक्स' आ सकते हैं, इसलिए नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।

जापान में बार-बार क्यों आते हैं भूकंप : रिंग ऑफ फायर पर होने के नाते जापान में अधिकांश भूकंप के झटके आते रहते हैं। यहां पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के आपस में टकराने और समुद्री प्लेटों के महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धंसने के कारण अत्यधिक भूगर्भीय दबाव बनता है।

हंतावायरस का प्रकोप: क्रूज जहाज के छह यात्री ऑस्ट्रेलिया में तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन, अब तक कितनी मौतें?



वाशिंगटन, एजेंसी। हंतावायरस की मार झेल रहे एक क्रूज जहाज के छह यात्रियों को क्वारंटीन करने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचा दिया गया। कम से कम तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रखे जाने वाले इन संक्रमितों को किसी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। जिस क्रूज जहाज पर हंता वायरस के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, इसकी पहचान एमवी होंडियस के रूप में की गई है।

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा : हंतावायरस के कारण क्वारंटीन किए गए यात्रियों को नीदरलैंड से एक गल्फस्ट्रीम बिजनेस जेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया लाया गया। विमान पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के बाहर आरएएएफ बेस पियर्स पर उतरा। यात्रियों, चालक दल और एक डॉक्टर को बस से बुल्सब्रुक क्वारंटीन सुविधा ले जाया गया। ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि सरकार दुनिया की सबसे मजबूत क्वारंटीन प्रतिक्रियाओं में से एक लागू करेगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लौटने वाले यात्रियों को कुछ दिनों के लिए क्वारंटीन में रखा जाएगा।

संक्रमितों में पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक : गौरतलब है कि हंतावायरस से जुड़े खतरों को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने वायरस के किसी भी प्रसार के जोखिम को रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक को तीन सप्ताह तक क्वारंटीन सेंटर में रखा जाएगा। इस केंद्र का निर्माण साल 2022 में कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। हंतावायरस से बचाव के लिए किस तरह के एहतियात बरते जाने हैं? इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठनने कहा है कि संक्रमण की पुष्टि होने के बाद 42 दिनों की अवधि सबसे अधिक संवेदनशील है। शेष अवधि के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। जिन छह यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया में क्वारंटीन किया गया है, इनकी शुरुआती जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी। नीदरलैंड से निकलने से पहले वायरस के संक्रमण की जांच के नतीजे नकारात्मक आए थे। उड़ान के दौरान ही डॉक्टर ने उनका आकलन किया था। अमेरिका में स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर दो यात्रियों को ओमाहा के राष्ट्रीय क्वारंटीन केंद्र में भेजा गया है।

हमास का शीर्ष कमांडर मारा गया? इजरायल ने गाजा पट्टी में किया बड़े मिलिट्री ऑपरेशन का दावा

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी में एक बहुत ही भयानक हवाई हमला किया है। इस बार इजरायली सेना के निशाने पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। यह गाजा हमला सीधे तौर पर इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को खत्म करने के लिए किया गया। पश्चिम एशिया में इस घटना से एक बार फिर डर और गहरी चिंता का माहौल बन गया है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच अभी युद्धविराम लागू है, फिर भी गाजा में हमले जारी हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद इस बड़े हमले की आधिकारिक पुष्टि की है। रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने भी इस गाजा हमला के बारे में अपनी तरफ से जानकारी दी है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हद्दाद इस हमले में मारा गया या वह केवल घायल हुआ है।

हमले में कई मासूमों की मौत : गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम को इजरायल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत पर किया गया था। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से पूरी तरह उड़ा दिया गया। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार इन भयानक हमलों में तीन से सात लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 20 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हुए हैं जिन्हें शिफा और सराय अस्पताल भेजा गया है। मारे गए लोगों में हद्दाद शामिल है या नहीं, यह अब भी पूरी तरह से एक रहस्य बना हुआ है।



हद्दाद को क्यों बनाया निशाना? : अल-हद्दाद इजरायल के लिए बहुत बड़ा दुश्मन है और 7 अक्तूबर 2023 के हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। मई 2025 में मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद उसे ही हमास का नया सैन्य प्रमुख बनाया गया था। इजरायल का आरोप है कि वह हजारों इजरायली नागरिकों की हत्या और अपहरण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि 7 अक्तूबर के हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति को इजरायल कभी छोड़ेगा नहीं। उन्होंने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि आज नहीं तो कल, इजरायल तुम तक पहुंच ही जाएगा। हमास की ओर से अभी तक इस गाजा हमला और अपने कमांडर की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

युद्धविराम के बाद गाजा के हालात : अक्तूबर 2025 में इजरायल और हमास के बीच एक कमजोर सा शांति समझौता या युद्धविराम हुआ था। लेकिन जमीन पर इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है और लगातार खूनी हमले हो रहे हैं। दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे पर इस शांति समझौते को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाते रहते हैं।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार युद्धविराम के बाद से 850 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। युद्ध शुरू होने से लेकर अब तक गाजा में 72,700 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.